गुरुवार , 12 नवंबर 2026, ठाणे, मुंबई

दैनिक सिटी न्यूज मुंबई

सच का जोश

वर्ष - 15 • अंक - 76 CITY NEWS MUMBAI

दिल्ली में प्रदूषण को लेकर छात्रों का प्रदर्शन

जंतर-मंतर बंद करने पर उठाए सवाल; बोले- हमारी आवाज दबाई जा रही

बढ़ते वायु प्रदूषण और खराब AQI को लेकर छात्रों का विरोध। जंतर-मंतर बंद करने पर सवाल उठाए। पटाखों से लोगों की सेहत को खतरा बताते हुए प्रशासन से ठोस कदम उठाने की मांग की।

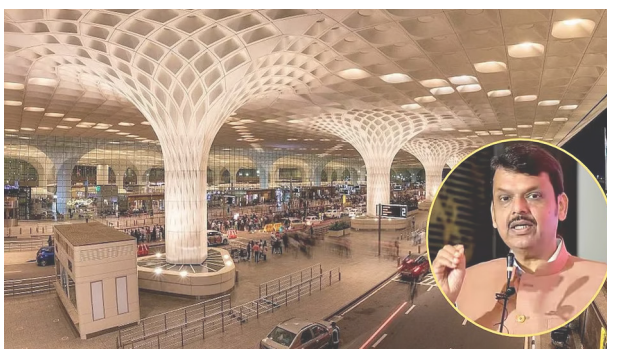
दिल्ली में प्रदूषण के खिलाफ छात्रों का प्रदर्शन, जंतर-मंतर बंद करने पर जताई नाराजगी खराब AQI पर सरकार को घेरा, बोले- जहरीली हवा से लोगों की सेहत खतरे में पटाखों के इस्तेमाल पर उठाए सवाल, छात्रों ने प्रशासन से ठोस कदम उठाने की मांग की राजधानी दिल्ली में बढ़ते वायु प्रदूषण को लेकर छात्रों का गुस्सा सामने आया है। दिल्ली के जंतर-मंतर को बंद किए जाने के विरोध में छात्र एकजुट होकर प्रदर्शन करने पहुंचे। प्रदर्शनकारियों ने आरोप लगाया कि प्रदूषण जैसे गंभीर मुद्दे पर आवाज उठाने वालों को रोकने की कोशिश की जा रही है। छात्रों का कहना है कि जब दिल्ली की हवा लगातार जहरीली होती जा रही है, तब इस समस्या के खिलाफ आवाज उठाना और भी जरूरी हो गया है। जंतर-मंतर बंद करने के फैसले पर नाराजगी प्रदर्शन में शामिल छात्रों ने जंतर-मंतर को बंद किए जाने पर सवाल उठाए। उनका आरोप है कि शांतिपूर्ण तरीके से अपनी बात रखने के अधिकार को सीमित किया जा रहा है। छात्रों ने कहा



कि प्रदूषण का मुद्दा किसी एक व्यक्ति या संगठन का नहीं, बल्कि दिल्ली में रहने वाले हर नागरिक की सेहत और जिंदगी से जुड़ा हुआ है। ऐसे में लोगों को अपनी समस्याएं उठाने का मौका मिलना चाहिए। दिल्ली की जहरीली हवा पर सरकार को घेरा प्रदर्शनकारियों ने दिल्ली में बिगड़ती वायु गुणवत्ता और लगातार खराब हो रहे AQI पर चिंता जताई। उन्होंने सरकार पर आरोप लगाया कि प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिए प्रभावी कदम नहीं उठाए जा रहे हैं। छात्रों का कहना है कि हर साल प्रदूषण की समस्या सामने आती है, लेकिन इसका स्थायी समाधान अब तक नहीं निकल पाया है। पटाखों पर भी उठाए सवाल छात्रों ने खराब वायु गुणवत्ता के बीच पटाखे जलाए जाने पर भी नाराजगी जताई। उनका कहना है कि पहले से प्रदूषित हवा में पटाखों का धुआं और हानिकारक तत्व लोगों की परेशानी बढ़ा सकते हैं। इसका सबसे ज्यादा खतरा बच्चों, बुजुर्गों और पहले से बीमार लोगों को है। ऐसे हालात में सभी को जिम्मेदारी समझते हुए प्रदूषण कम करने की कोशिश करनी चाहिए। शांतिपूर्ण प्रदर्शन कर रहे छात्रों की प्रशासन से अपील प्रदर्शन कर रहे छात्रों ने साफ कहा कि उनका विरोध शांतिपूर्ण है। वे केवल चाहते हैं कि उनकी बात सुनी जाए और प्रदूषण के खिलाफ ठोस कदम उठाए जाएं। उन्होंने प्रशासन से अपनी मांगों पर गंभीरता से विचार करने और दिल्ली की हवा को साफ करने के लिए प्रभावी योजना लागू करने की अपील की। छात्रों का कहना है कि स्वच्छ हवा हर नागरिक का अधिकार है। यह केवल पर्यावरण का मुद्दा नहीं, बल्कि लोगों के स्वास्थ्य और आने वाली पीढ़ियों के भविष्य से जुड़ा सवाल है। अब देखना होगा कि प्रशासन छात्रों की मांगों पर क्या कदम उठाता है।

मुंबई एयरपोर्ट से नवी मुंबई शिफ्ट नहीं होंगी उड़ानें, देवेंद्र फडणवीस ने टर्मिनल-1 के लिए दिया नया प्लान

फडणवीस ने स्पष्ट किया कि मुंबई एयरपोर्ट से फ्लाइट्स नवी मुंबई शिफ्ट नहीं होंगी। दोनों एयरपोर्ट्स स्वतंत्र रूप से चलेंगे। टर्मिनल 1 रीडेवलपमेंट का नया प्लान भेजा गया। CM देवेंद्र फडणवीस ने मुंबई से नवी मुंबई एयरपोर्ट पर उड़ानें स्थानांतरित करने का विरोध किया है। दोनों एयरपोर्ट अपनी-अपनी क्षमता के अनुसार स्वतंत्र रूप से काम करेंगे। फडणवीस ने पहले टर्मिनल 1B बनाने और फिर टर्मिनल 1A के पुनर्विकास का सुझाव दिया है। MIAL ने 14 अंतरराष्ट्रीय शहरों की उड़ानों को नवी मुंबई स्थानांतरित करने का प्रस्ताव दिया



था। मुंबई और नवी मुंबई के हवाई अड्डों को लेकर चल रही चर्चाएं एक अहम मोड़ पर पहुंच गई हैं। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने अपना रुख साफ कर दिया है। मुंबई हवाई अड्डे से कोई भी उड़ान नवी मुंबई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर नहीं भेजी जाएगी। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि मुंबई हवाई अड्डे से उड़ानों को नवी मुंबई स्थानांतरित करने की कोई योजना नहीं है; इसके बजाय, दोनों हवाई अड्डे अपनी-अपनी क्षमता के अनुसार स्वतंत्र रूप से काम करते रहेंगे। इस संबंध में, मुख्यमंत्री ने केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री को पत्र लिखा है। उन्होंने मुंबई हवाई अड्डे के टर्मिनल 1 के पुनर्विकास के लिए एक वैकल्पिक योजना भी पेश की है, जिससे यह संकेत मिलता है कि राज्य सरकार उड़ानों को स्थानांतरित करने के बजाय, चरणों में पुनर्विकास करने के पक्ष में है। मुंबई हवाई अड्डे के टर्मिनल 1 का पुनर्विकास किया जाए देवेंद्र फडणवीस ने ...शेष 7 पर

NCP विलय पर सुनेत्रा पवार का पहला बयानः बोलीं- वक्त आने पर सबको पता चल जाएगा, मर्जर की अटकलें तेज



महाराष्ट्र में NCP के दोनों गुटों के मर्जर की सुगबुगाहट के बीच सुनेत्रा ने चुप्पी तोड़ी है। उन्होंने विलय की बात से इनकार न करते हुए कहा कि सही वक्त आने पर सबको पता चल जाएगा। सुनेत्रा पवार ने NCP के दोनों गुटों के मर्जर पर कहा, वक्त आने पर सबको पता चल जाएगा। पार्थ पवार और सुनील तटकरे समेत कई नेताओं की मुलाकातों से चर्चाएं तेज। नेतृत्व और संगठन पर नियंत्रण को लेकर मर्जर की राह ...शेष 7 पर

राम मंदिर चढ़ावा चोरीः कांग्रेस ने वित्तीय रिकॉर्ड सार्वजनिक करने की मांग की



कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने अयोध्या के राम मंदिर में चढ़ावा चोरी के आरोपों पर भाजपा और आरएसएस पर हमला बोला है। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता जयराम रमेश ने बुधवार को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) और भाजपा पर हमला बोलते हुए कहा कि अयोध्या के राम मंदिर में चढ़ावा चोरी के मामले में वे जिम्मेदारी से बच नहीं सकते, क्योंकि मंदिर के निर्माण और प्रबंधन में उनके सदस्य शामिल थे। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने सभी वित्तीय रिकार्ड सार्वजनिक करने और जांच का दायरा बढ़ाने की मांग ...शेष 7 पर

सोनिया गांधी की आत्मकथा पर भावुक हुए रोहित पवारः 21 साल की उम्र में भारत को अपनाने- झेले गए दर्दों को किया याद

रोहित पवार ने सोनिया गांधी की पुस्तक 'बिलॉन्गिंगः अ जर्नी ऑफ लव' के प्रकाशन पर उनके संघर्ष, भारत के प्रति प्रेम और व्यक्तिगत त्रासदियों को याद कर भावुक सराहना की है। रोहित पवार ने सोनिया गांधी की पुस्तक 'बिलॉन्गिंगः अ जर्नी ऑफ लव' के प्रकाशन पर बधाई दी। उन्होंने 21 साल की उम्र में इटली छोड़कर भारत आने के सोनिया गांधी के फैसले को याद किया। इंदिरा गांधी और राजीव गांधी की हत्या के बाद भी भारत से उनका जुड़ाव बनाए रखने की सराहना की। पुस्तक को कांग्रेस कार्यकर्ताओं के लिए प्रेरणा का स्रोत बताया। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी



(शरद पवार) नेता और विधायक रोहित पवार ने कांग्रेस की वरिष्ठ नेता सोनिया गांधी के जीवन पर आधारित पुस्तक 'बिलॉन्गिंगः अ जर्नी ऑफ लव' के प्रकाशन पर भावुक होकर उनकी सराहना की है। उन्होंने 21 वर्ष की कम उम्र में भारत को अपनाने और संघर्षों का सामना करने के उनके व्यक्तित्व को याद किया। रोहित पवार ने एक्स पर पोस्ट में कहा, "सोनिया गांधी की किताब 'बिलॉन्गिंगः अ जर्नी ऑफ लव' के जरिए जब पाठक उनके जीवन के सफर को पढ़ते हैं, तो मेरे विचार राजनीति से परे जाकर एक संवेदनशील, मज़बूत और साहसी इंसान के जीवन की ओर मुड़ जाते हैं। 21 साल की उम्र में सोनिया गांधी का नए अध्याय हुआ था शुरु उन्होंने कहा, महज 21 साल की कम उम्र में उन्होंने (सोनिया गांधी) इटली में अपना घर, प्रियजनों और अपनी जानी-पहचानी हर चीज को पीछे छोड़ दिया और भारत में एक नए अध्याय की शुरुआत की। उन्होंने इस देश को अपनाया और इसे अपना बना लिया। हांलाकि, उनके जीवन के सफर में दो बेहद दुखद व्यक्तिगत घटनाएं हुईं, 1984 में इंदिरा गांधी और 1991 में राजीव गांधी की हत्या हो गई। इतने गहरे व्यक्तिगत ...शेष 7 पर

भारतीय सेना में डॉक्टर बनने का मौका, आवेदन शुरू; जानें कौन और कैसे करें अप्लाई

क्या आप मेडिकल क्षेत्र में सरकारी नौकरी चाहते हैं? AFMS मेडिकल ऑफिसर भर्ती 2026 के लिए आवेदन कैसे करें? जानिए योग्यता, फीस, आयु सीमा और चयन प्रक्रिया की पूरी जानकारी। AFMS मेडिकल ऑफिसर भर्ती की जानकारी आवेदन करने की जानकारी और पूरा प्रोसेस मे AFMS में कौन कर सकता है आवेदन? मेडिकल ऑफिसर के पदों पर आवेदन करने के लिए अभ्यर्थी के पास किसी मान्यता प्राप्त कॉलेज या विश्वविद्यालय से बैचलर ऑफ मेडिसिन एंड बैचलर ऑफ सर्जरी (MBBS) की डिग्री होना अनिवार्य है। वहीं, अधिकतम आयु सीमा 30 से 35 वर्ष निर्धारित की गई है। हालांकि, आयु सीमा पद और श्रेणी के अनुसार अलग-अलग हो सकती है। न्यूनतम आयु और अन्य शैक्षणिक शर्तों की जानकारी के लिए उम्मीदवारों को विस्तृत आधिकारिक नोटिफिकेशन देखना चाहिए। AFMS Medical Officer का चयन कैसे होता है? इस भर्ती में कैंडिडेट्स का चयन कई चरणों में किया जाएगा। सबसे पहले प्राप्त आवेदनों के आधार पर उम्मीदवारों को शॉर्टलिस्ट किया जाएगा। इसके बाद चयनित उम्मीदवारों को इंटरव्यू के लिए बुलाया जाएगा। इंटरव्यू में सफल



अभ्यर्थियों के दस्तावेजों का सत्यापन होगा। अंत में उम्मीदवारों को मेडिकल टेस्ट से गुजरना होगा। डिकल क्षेत्र में सरकारी नौकरी की तैयारी कर रहे उम्मीदवारों के लिए अच्छी खबर है। आर्म्ड फोर्सेज मेडिकल सर्विसेज (AFMS) ने मेडिकल ऑफिसर भर्ती 2026 के लिए आवेदन प्रक्रिया शुरू कर दी है। इस भर्ती के तहत योग्य उम्मीदवारों को मेडिकल अधिकारी के पदों पर नियुक्त किया जाएगा। भर्ती का शॉर्ट नोटिस 7 नवंबर 2026 को जारी किया गया था। इसके मुताबिक, ऑनलाइन आवेदन 9 नवंबर से शुरू हो चुके हैं। इच्छुक उम्मीदवार 18 नवंबर 2026 तक आधिकारिक वेबसाइट पर जाकर आवेदन कर सकते हैं। आवेदन की अंतिम तारीख तक ही शुल्क जमा करने का मौका मिलेगा। AFMS की आवेदन फीस कितनी है? आर्म्ड फोर्सेज मेडिकल सर्विसेज भर्ती के लिए सभी वर्गों के को 200 रुपये आवेदन शुल्क देना होगा। सामान्य, OBC, ईडब्ल्यूएस, एससी, एसटी और दिव्यांग श्रेणी के उम्मीदवारों के लिए आवेदन शुल्क समान रखा गया है। अभ्यर्थी ऑनलाइन माध्यम से फीस का भुगतान कर सकते हैं। AFMS Recruitment 2026 के लिए ऑनलाइन आवेदन कैसे करें? 1. सबसे पहले AFMS की आधिकारिक वेबसाइट join.afms.gov.in पर जाएं। 2. होम पेज पर मेडिकल ऑफिसर भर्ती के लिंक पर क्लिक करें। 3. नए उम्मीदवार रजिस्ट्रेशन की प्रक्रिया पूरी करें। 4. रजिस्टर्ड आईडी और पासवर्ड की मदद से लॉगिन करें। 5. आवेदन फॉर्म में मांगी गई सभी जानकारियां भरें। 6. जरूरी दस्तावेज अपलोड करके 200 रुपये आवेदन शुल्क जमा करें।

'राम मंदिर कभी नहीं जाऊंगा', कीर्ति आजाद बोले- भगवान राम ने मां सीता का परित्याग किया

कीर्ति आजाद ने राम मंदिर जाने से इनकार क्यों किया? भगवान राम और माता सीता को लेकर TMC सांसद के बयान से क्यों मचा सियासी बवाल? TMC सांसद कीर्ति आजाद ने राम मंदिर जाने से इनकार करते हुए भगवान राम और माता सीता को लेकर क्या कहा? माता सीता की अग्निपरीक्षा और उनके परित्याग का जिक्र कर राम को मर्यादा पुरुषोत्तम कहे जाने पर उठाए सवाल। सोनिया गांधी की किताब, कश्मीरी पंडितों के पलायन और बाबरी मस्जिद विध्वंस पर भी भाजपा को घेरा। उत्तर प्रदेश में आगामी विधानसभा चुनाव से पहले अयोध्या का राम मंदिर एक बार फिर राजनीतिक चर्चा के केंद्र में आ गया है। समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव के राम मंदिर जाने की खबरों के बीच तृणमूल कांग्रेस (TMC) के सांसद कीर्ति आजाद ने ऐसा बयान दिया है, जिस पर



सियासी विवाद खड़ा हो सकता है। उन्होंने कहा कि वह कभी राम मंदिर नहीं जाएंगे, क्योंकि भगवान राम ने माता सीता का परित्याग किया था। उन्होंने राम को मर्यादा पुरुषोत्तम कहे जाने पर भी सवाल उठाए। '3200 करोड़ देवी-देवताओं में क्या सिर्फ राम ही भगवान हैं?' अयोध्या के राम मंदिर को लेकर अपनी राय रखते हुए कीर्ति आजाद ने कहा कि देश में हजारों देवी-देवता हैं, ऐसे में क्या सिर्फ भगवान राम ही भगवान हैं? उन्होंने कहा, ''मैं राम मंदिर कभी नहीं जाऊंगा। जिसने अपनी पत्नी का परित्याग कर दिया हो, अग्निपरीक्षा में पास होने के बाद भी माता सीता को घर से निकाल दिया गया।'' उन्होंने खुद को मिथिला क्षेत्र से जुड़ा बताते हुए कहा कि माता सीता उनकी इष्ट देवी हैं। अगर दूसरे लोगों को अपने इष्ट देव दिखाई देते हैं तो उन्हें भी अपनी इष्ट देवी के लिए बोलने का अधिकार है। 'अग्निपरीक्षा के बाद भी सीता को घर से निकाला' TMC सांसद ने भगवान राम को मर्यादा पुरुषोत्तम कहे जाने पर भी सवाल खड़े किए। उन्होंने कहा कि माता सीता ने अग्निपरीक्षा दी और उसमें सफल भी हुईं, लेकिन इसके बावजूद उन्हें उनके दो छोटे बच्चों के साथ घर से निकाल दिया गया। कीर्ति आजाद ने सवाल किया कि इसे कैसी मर्यादा कहा जाएगा? उन्होंने कहा कि वह बच्चों को इस प्रसंग के बारे में क्या जवाब देंगे। अपने धार्मिक विश्वासों का जिक्र करते हुए उन्होंने बताया कि वह कामाख्या जाते हैं और मां काली की पूजा करते हैं। माता सीता को बताया मिथिला की बेटी कीर्ति आजाद ने कहा कि माता सीता मिथिला की बेटी थीं और उनके सम्मान में आवाज उठाना जरूरी है। बता दें कि कीर्ति आजाद बिहार के दरभंगा से आते हैं, जो मिथिला क्षेत्र का प्रमुख हिस्सा है।

एयर इंडिया की फ्लाइट में हाईजैक अलर्ट, पायलट ने 'हाईजैक' का मैसेज भेजा



कोलकाता में बुधवार सुबह एयर इंडिया की फ्लाइट हाईजैक होने की खबर आई है। विमान में कुल 93 यात्री और 5 क्रू मेंबर सवार थे। कोलकाता में एयर इंडिया की फ्लाइट हाईजैक सुभाष चंद्र बोस अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे का मामला विमान के शौचालय पर धमकी भरा संदेश लिखा कोलकाता में एयर इंडिया की फ्लाइट हाईजैक होने की खबर सामने आई है। पायलट ने 'हाईजैक' का मैसेज भेजकर इस बात की पुष्टि की। सुभाष चंद्र बोस अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर एयर इंडिया की मुंबई जाने वाली फ्लाइट (फ्लाइट नंबर AI 772 / AI 2772) में हाईजैक का अलर्ट मिलने से हड़कंप मच गया। आइसोलेशन बे में ले जाकर हो रही चेकिंग मौके से मिली जानकरी से पता चला है कि सूचना मिलते ही एयर इंडिया विमान को आइसोलेशन बे में ले जाया गया, जहां केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल के साथ-साथ एयरपोर्ट के विशेष सुरक्षा अधिकारियों ने सघन तलाशी अभियान शुरू किया।

बंकर रॉय कौन थे? जिन्होंने गांव की अनपढ़ महिलाओं और दादियों को इंजीनियर बनाया



बंकर रॉय ने राजस्थान के तिलोनिया से ग्रामीण विकास की अनूठी मिसाल पेश की। जानिए कैसे उन्होंने निरक्षर महिलाओं को सोलर इंजीनियर बनाकर दुनिया में पहचान दिलाई। दून स्कूल और सेंट स्टीफेंस कॉलेज से पढ़े बंकर रॉय ने सुविधाजनक जीवन छोड़ ग्रामीण भारत के लिए काम किया। 1972 में तिलोनिया में बेयरफुट कॉलेज की स्थापना की, जहां डिग्री नहीं बल्कि हुनर को प्राथमिकता मिली। 99 देशों की महिलाओं को सौर ऊर्जा का प्रशिक्षण दिया, निरक्षर दादियां बनीं दुनिया की मशहूर 'सोलर मामाज'। राजस्थान के एक छोटे से गांव से निकला एक प्रयोग दुनिया के 99 देशों तक पहुंच गया। इस प्रयोग ने न केवल ग्रामीण विकास की परिभाषा बदली, बल्कि यह भी साबित किया कि हुनर और ज्ञान के लिए बड़ी डिग्री होना जरूरी नहीं है। इस असाधारण बदलाव के केंद्र में थे सामाजिक कार्यकर्ता संजीत 'बंकर' रॉय, जिन्होंने अपना पूरा जीवन ग्रामीण समुदायों को आत्मनिर्भर बनाने में लगा दिया।

असम में पटरी से कैसे उतरी कोलकाता-सैरांग एक्सप्रेस? लोको पायलट से हुई चूक, जान लें प्रभावित ट्रेनों की लिस्ट

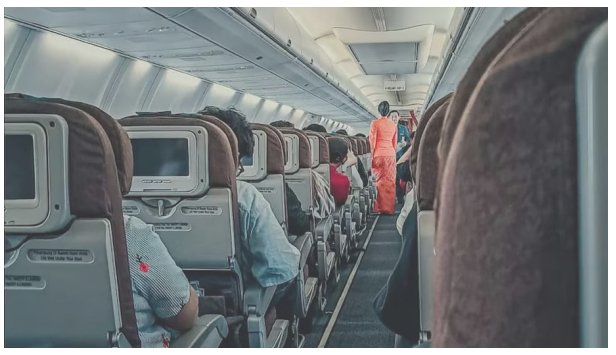
असम के दिगारू में क्रॉसिंग के दौरान कोलकाता-सैरांग एक्सप्रेस पटरी से उतरी। हादसे में कोई हताहत नहीं, यात्रियों को गंतव्य तक भेजने के लिए दूसरी ट्रेन का प्रबंध किया गया। विभिन्न स्टेशनों पर हेल्पलाइन नंबर शुरू कर दिए गए हैं। कुछ लोकल ट्रेनों को रद्द कर दिया गया है। हादसे के बाद जन शताब्दी समेत कई ट्रेनें रोकी गईं। 11 नवंबर की सुबह बुधवार को डिगारू रेलवे स्टेशन पर सिग्नल पासिंग/स्पीड कंट्रोल न होने से कोलकाता-सैरांग एक्सप्रेस का इंजन और 5 कोच डिरेल हुए। हादसे के बाद जन शताब्दी समेत कई ट्रेनें रोकी गईं। पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे ने हादसे को लेकर आधिकारिक बयान जारी किया। इस बयान के अनुसार, 11 नवंबर को सुबह लगभग 06:54 बजे, जब ट्रेन संख्या 13125 कोलकाता - सैरांग एक्सप्रेस को असम के डिगारू



रेलवे स्टेशन पर एक दूसरी ट्रेन को रास्ता देने के लिए रोका जा रहा था, तब लोको पायलट गति को नियंत्रित नहीं कर सके। इसके परिणामस्वरूप ट्रेन पटरी से उतर गई, जिसमें इंजन और 5 कोच पटरी से उतर गए। सभी यात्री सुरक्षित पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे के अनुसार, हादसे में सभी यात्री सुरक्षित हैं और किसी के घायल होने की कोई खबर नहीं है। यात्रियों को दूसरी ट्रेन से उनके गंतव्य तक पहुंचाने की व्यवस्था की गई है। साथ ही राहत और बचाव कार्य तुरंत शुरू कर दिए गए हैं। एन. एफ. रेलवे के महाप्रबंधक (जनरल मैनेजर) अन्य वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बहाली कार्यों की निगरानी के लिए घटनास्थल पर पहुंच गए हैं। असम के गुवाहाटी में इस घटना के कारण, इन ट्रेनों के परिचालन को नियंत्रित किया गया है। लोकल ट्रेनें रद्द अप और डाउन लाइनें सामान्य रूप से चल रही हैं। जिन ट्रेनों को पहले अलग-अलग जगहों पर रोक दिया गया था, वे धीरे-धीरे अपनी सामान्य यात्रा फिर से शुरू करेंगी। हालांकि, ट्रेन के पटरी से उतरने की घटना को देखते हुए, कुछ लोकल ट्रेनों को रद्द कर दिया गया है या उनका सफर बीच में ही समाप्त कर दिया गया है। ये ट्रेनें प्रभावित ट्रेन नंबर 15769 (अलीपुरद्वार जंक्शन - मारियानी जंक्शन) इंटरसिटी एक्सप्रेस को कामाख्या में ही रोक दिया गया है। ट्रेन नंबर 75727/75728 (गुवाहाटी - हैबरगांव - गुवाहाटी) DMU को रद्द कर दिया गया है। ट्रेन संख्या 12067 (गुवाहाटी - जोरहाट टाउन) जन शताब्दी एक्सप्रेस को पानबारी में रोका गया है। ट्रेन संख्या 15627 (कोयंबटूर - सिलचर) एक्सप्रेस को पानीखैती में रोका गया है।

प्लेन हाईजैक होने के बाद यात्रियों को सबसे पहले क्या करना चाहिए, ये ऑपशन्स हैं बेस्ट

कोलकाता में बुधवार सुबह करीब 11 बजे एयर इंडिया की फ्लाइट हाईजैक होने का अलर्ट जारी हुआ जिसके बाद विमान के अंदर बैठे यात्रियों में हड़कंप मच गया। सबसे पहले शांत रहें, एक दूसरे का सहयोग करें WiFi कॉलिंग का बटन दबाकर अपना लोकेशन शेयर करें बहस करने से, रोने से और हाथापाई करने से बचें एयर इंडिया की मुंबई जाने वाली फ्लाइट के शौचालय पर धमकी भरा संदेश किसने लिखा और इसके पीछे किसका हाथ हो सकता है। इसकी जांच-पड़ताल पुलिस और सुरक्षा एजेंसियों ने अपने-अपने स्तर से शुरू कर दी है। मौके पर कुल 93 यात्री और 5 क्रू मेंबर प्लेन में सवार थे। ऐसे में ये जानना जरूरी है कि हाईजैक की स्थिति में यात्रियों के पास बचाव के क्या-क्या ऑपशन होते हैं या फिर ऐसी परिस्थिति में हमें क्या करना चाहिए, आज हम आपको इस आर्टिकल में यहीं बताने वाले हैं। हाईजैक की स्थिति में यात्रियों के पास लड़ने का ऑपशन नहीं के बराबर होता है, क्योंकि पूरा केबिन बंद होता है और हाईजैकर हथियार के साथ होता है। ऐसे में सबसे जरूरी चीज है जिसपर आपका फोकस होना चाहिए कि- सुरक्षित कैसे बचा जाए। प्लेन में ये ऑपशन हो सकते हैं यात्रियों के लिए मददगार साबित कोलकाता के नेताजी सुभाष चंद्र बोस अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर हुई घटना के बाद जांच



जारी है। ऐसे में प्लेन हाईजैक हो जाने के दौरान इन ऑपशन्स को जरूर फॉलो करें; पहला नियम- शांत रहें, एक दूसरे का सहयोग करें- सबसे पहला नियम तो यहीं है कि एकजुट रहें। आपस में अपना-अपना सोचकर कोई नहीं बचेगा। ऐसे में एकजुटता के साथ काम लें। याद रखें- सबका जिंदा बचना जरूरी है। चुपचाप नोटिस करो कि हाईजैकर के पास कितने हथियार हैं। विरोध या हमला करते वक्त वो क्या-क्या कर सकता है। उस हिसाब से व्यवहार करे। हाईजैकर के सामने शांत रहो। बहस करने से, रोने से और हाथापाई करने से कुछ नहीं होगा। आप और रडार पर आ जाओगे। कई प्लेन में सीट के नीचे WiFi कॉलिंग का बटन होता है। अगर फोन साइलेंट पर है और हाईजैकर देख नहीं रहा तो मौका मिलते ही अपना लोकेशन, फ्लाइट नंबर किसी को मैसेज करने की कोशिश करो। एकदम आखिरी ऑपशन के तौर पर, जब जान पर बात आ जाए और हाईजैकर यात्रियों को मारने की कोशिश करने लगे तो एक साथ मिलकर विरोध करना ही आखिरी ऑपशन होता है।

उदाहरण के लिए, United Airlines Flight 93 में यात्रियों ने ऐसे ही मिलकर कॉकपिट में घुसने की कोशिश की थी और प्लेन को खेत में गिरा दिया, जिससे और बड़ी तबाही टल गई थी।

1,000 से बढ़कर 3,000 रुपए होगी EPS की रकम! घर बैठे ऐसे कैलकुलेट करें अपनी नई ग्रॉस सैलरी

8वें वेतन आयोग की बैठक 19 नवंबर को होने जा रही है। अनुमान लगाया जा रहा है कि अब EPS की रकम 1000 से बढ़कर 3000 रुपए की जा सकती है। 19 नवंबर को नई दिल्ली में होगी EPFO CBT Meeting EPS की रकम 1,000 से बढ़कर 3,000 रुपए हो सकती है EPFO हेड ऑफिस में होगी कर्मचारी भविष्य निधि संगठन की बैठक EPFO की आगामी बैठक में ये अनुमान लगाया जा रहा है कि न्यूनतम EPS की रकम 1000 रुपए से बढ़कर 3000 रुपए तक हो सकती है। इसका सीधा असर कर्मचारियों के वेतन पर पड़ेगा। 19 नवंबर को दिल्ली में आयोजित होने वाली बैठक में करोड़ों पेंशनर्स को राहत मिलने की उम्मीद जताई जा रही है। 1,000 से बढ़कर 3,000 हो सकती है EPS की रकम अगर आपकी सैलरी में से PF के पैसे कटते हैं यानी अगर आप EPFO के सदस्य हैं। भविष्य में पेंशन को लेकर चिंता बनी रहती है तो ये खबर आपको राहत दे सकती है। दरअसल,



कर्मचारी भविष्य निधि संगठन यानी EPFO CBT Meeting 2026 की आगामी 240वीं सेंट्रल बोर्ड ऑफ ट्रस्टीज (CBT) की बैठक को लेकर सरगर्मी तेज हो गई है। क्षेत्रीय पीएफ कमिश्नर सुब्रत भौमिक ने बताया है कि ये बैठक नई दिल्ली के ईपीएफओ हेड ऑफिस में 19 नवंबर को सुबह 10:15 बजे आयोजित की जाएगी। 12 साल से नहीं बदला है पेंशन का आंकड़ा बता दें कि फरवरी 2014 से पेंशन का आंकड़ा नहीं बदला है। 2014 में सीबीटी ने न्यूनतम ईपीएस पेंशन को बढ़ाकर 1000 किया था। तब से लेकर आज तक यानी कुल 12 सालों में ये आंकड़ा नहीं बदला गया है। अब ये अनुमान लगाया जा रहा है कि 19 नवंबर को होने जा रही बैठक में ये रकम बदलकर 1000 रुपए से 3000 रुपए तक की जा सकती है।

घर बैठे ऐसे कैलकुलेट करें अपनी नई ग्रॉस सैलरी किसी भी कर्मचारी की सैलरी केवल बेसिक-पे नहीं होती। उसमें कई तरह के भत्ते जुड़ते हैं और कुछ कटौतियां भी की जाती हैं। आइए न्यूनत वेतन - 20,000 रुपए के उदाहरण से समझने की कोशिश करते हैं- पहले नई बेसिक सैलरी (New Basic Pay) की गणना करेंगे 7वें CPC की बेसिक सैलरी X फिटमेंट फैक्टर (1.92)= 8वें CPC की नई बेसिक सैलरी 20,000 X 1.92= 38,400 फिर, हाउस रेंट अलाउंस (HRA) की गणना करेंगे नई बेसिक सैलरी तय होने के बाद शहरों की कैटेगरी (X, Y, Z) के हिसाब से HRA निकाला जाता है. उदाहरण के लिए, अगर आप X श्रेणी के शहर में हैं, तो लेवल-1 के लिए HRA की दर 30% है. 38,400 का 30%= 11,520 ट्रांसपोर्ट अलाउंस (TA) और उस पर DA जोड़ेंगे ट्रांसपोर्ट अलाउंस आपके पे-लेवल के हिसाब से तय एक फिक्स अमाउंट होता है। X-श्रेणी के शहरों में लेवल-1 का बेस TA 1,350 होता है। एक जरूरी नियमः नए वेतन आयोग के लागू होने के बाद शुरुआती 6 महीनों के लिए नया महंगाई भत्ता (DA) 0% हो जाता है।

तमिलनाडु और अंडमान में भारी बारिश का अलर्ट; दिल्ली में कोहरा, जानें अपने राज्य का मौसम



वेस्टर्न डिस्टर्बेंस और साइक्लोनिक सर्कुलेशन के चलते तमिलनाडु और अंडमान में भारी बारिश का अलर्ट जारी। दिल्ली-एनसीआर में सुबह घना कोहरा छाया रहेगा। तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल, अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में आंधी-तूफान। अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में बड़े हिस्से में बारिश जारी रहेगी। दिल्ली-एनसीआर में आसमान में हल्के बादल छाए रहेंगे। मौसम विज्ञान विभाग की रिपोर्ट के अनुसार, 11 नवंबर को पूरे भारत में वायुमंडलीय स्थितियां कई सक्रिय मौसम प्रणालियों से प्रभावित रहेंगी। एक वेस्टर्न डिस्टर्बेंस, मध्य और ऊपरी ट्रोपोस्फीयर में एक 'ट्रफ' के रूप में मौजूद है। दक्षिण-पूर्वी राजस्थान और आसपास के क्षेत्रों, दक्षिण-पूर्वी अरब सागर और उससे सटे लक्षद्वीप क्षेत्र, मन्नार की खाड़ी और आसपास के इलाकों, तथा मध्य असम और उसके आस-पास के क्षेत्रों में ऊपरी वायुमंडलीय साइक्लोनिक सर्कुलेशन बने हुए हैं। एक ऊपरी वायुमंडलीय परिसंचरण के कारण, लगभग 13 नवंबर को दक्षिण-पूर्वी बंगाल की खाड़ी में एक 'कम दबाव का क्षेत्र' बनने की संभावना है।

दिल्ली के नांगलोई विहार में सीवर में गिरा 4 साल का मासूम, रेस्क्यू ऑपरेशन में जुटी NDRF और BSF की टीम



के नांगलोई विहार में दास गार्डन कॉलोनी के पास 4 साल का बच्चा सीवर में गिर गया। NDRF, BSF, पुलिस और फायर सर्विस की टीमें तलाश में जुटी हैं। नांगलोई विहार इलाके में दास गार्डन कॉलोनी के पास बड़ा हादसा। एक सीवर में 4 साल का बच्चा गिर गया। NDRF, दिल्ली फायर सर्विस, पुलिस, DDMA और BSF की टीमें रेस्क्यू में जुटी। दिल्ली के नांगलोई विहार इलाके में बड़े हादसे की खबर सामने आई है। नांगलोई विहार इलाके में दास गार्डन कॉलोनी के पास एक सीवर में 4 साल का बच्चा गिर गया। इस हादसे के बाद रेस्क्यू ऑपरेशन की टीमें घटनास्थल पर पहुंची। बच्चे के गिरने के बाद, बचाव अभियान जारी है। हालांकि, घंटों बीत जाने के बाद भी बच्चे का कोई पता नहीं चला है।

पंजाब के संगरूर में बड़ा हादसा, CM आवास के पास ओवरब्रिज से टकराकर पलटी बस, 3 की मौत, 12 से ज्यादा घायल

संगरूर से चंडीगढ़ जा रही PRTC बस बठिंडा-चंडीगढ़ हाईवे पर भीषण हादसे का शिकार हो गई। 3 लोगों ने मौके पर तोड़ा दम, 12 से अधिक यात्रियों की हालत गंभीर। बुधवार की सुबह पंजाब के संगरूर से एक बड़े सड़क हादसे की खबर सामने आई है। बुधवार सुबह, यात्रियों से भरी एक PRTC बस बठिंडा-चंडीगढ़ नेशनल हाईवे के पास, मुख्यमंत्री आवास से कुछ ही किलोमीटर की दूरी पर एक भीषण दुर्घटना का शिकार हो गई। मिली जानकारी के अनुसार, एक ओवरब्रिज के पास बस अचानक बेकाबू हो गई, पुल के ढांचे से टकराई और सड़क से उतरकर खेतों में जा गिरी। हादसा इतना भयावह था कि इसमें तीन लोगों की मौके पर मौत हो गई और एक दर्जन से ज्यादा यात्री घायल हो गए। 10 यात्रियों की



हालत गंभीर घटनास्थल पर मौजूद लोगों की मदद से घायलों को संगरूर के सिविल अस्पताल ले जाया गया। इनमें से 10 लोगों की हालत गंभीर होने के कारण उन्हें पटियाला के राजिंदरा अस्पताल रेफर कर दिया गया है। बाकी घायलों का इलाज स्थानीय सिविल अस्पताल में चल रहा है। संगरूर से कहां जा रही थी बस? रिपोर्ट्स के मुताबिक, PRTC बस आज सुबह यात्रियों को लेकर संगरूर से चंडीगढ़ के लिए रवाना हुई थी। रास्ते में, एक ओवरब्रिज के पास बस अचानक ड्राइवर के नियंत्रण से बाहर हो गई। यह पहले ओवरब्रिज से टकराई और फिर सड़क के किनारे खेतों में पलट गई। गंभीर घायलों को पटियाला रेफर किया गया हादसे के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई और स्थानीय लोग बचाव के लिए दौड़े। पुलिस को तुरंत हादसे की सूचना दी गई। सूचना मिलते ही पुलिस की टीम मौके पर पहुंची। पुलिस ने स्थानीय लोग और राहगीरों की मदद से यात्रियों को बाहर निकाला और अस्पताल पहुंचाया। सभी घायलों को एंबुलेंस के जरिए नजदीकी संगरूर सिविल हॉस्पिटल में ले जाया गया, जहां सभी का इलाज जारी है। फिलहाल, 10 यात्रियों की हालत गंभीर बताई जा रही है। कुछ यात्रियों को पटियाला रेफर कर दिया गया है। सीएम भगवंत मान ने मुफ्त इलाज के दिए निर्देश इस हादसे पर पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने दुख जताया। उन्होंने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, संगरूर में PRTC बस के साथ हुए दुखद हादसे की खबर अत्यंत पीड़ादायक है।

सम्पादकीय

संसद का नेतृत्व जुए का खेल खेल रहा है

राहुल गांधी की समझ इतनी व्यापक नहीं है कि वे भारतीय मतदाताओं की भावनाओं को समझ सकें। राहुल गांधी ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित कर इस बात को प्रचारित किया कि बिहार में कई मतदाताओं के नाम जानबूझकर छोड़े गए थे। हालांकि, बिहार का एक भी मतदाता इस मामले में अदालत नहीं गया। राहुल गांधी प्रतिदिन राष्ट्रीय राजधानी में अपनी अक्षमता का प्रदर्शन कर रहे हैं। इसके लिए वे प्रतिदिन नए-नए मनोरंजक प्रयोग कर रहे हैं। कांग्रेस के मौजूदा नेतृत्व को यह एहसास भी नहीं हो पाया है कि वे 140 वर्षों की लंबी परंपरा वाली कांग्रेस पार्टी के तिरपाल को प्रतिदिन दरवाजे पर टांग रहे हैं। जिस लोकतंत्र के लिए कांग्रेस ने अंग्रेजों से लड़ाई लड़ी, उसे राहुल गांधी प्रतिदिन नष्ट कर रहे हैं। दुर्भाग्यपूर्ण बात यह है कि एक भी वरिष्ठ पत्रकार या बुद्धिजीवी कांग्रेस नेतृत्व को खरी-खोटी सुनाने का साहस नहीं दिखा पा रहा है। इसका एकमात्र अपवाद इंडियन एक्सप्रेस की स्तंभकार तवलीन सिंह हैं। पिछले ढाई वर्षों में राहुल गांधी ने संसद का एक भी सत्र शांतिपूर्ण ढंग से नहीं चलने दिया है। सत्र से वॉकआउट करके और हर सत्र में अराजकता फैलाकर राहुल गांधी ने यह साबित कर दिया है कि उन्हें लोकतंत्र से कोई लेना-देना नहीं है। राहुल गांधी संसद की कार्यवाही बंद करवा रहे हैं, उनका मानना है कि संसद की कार्यवाही बंद किए बिना जनता के मन में एक आक्रामक विपक्षी नेता के रूप में उनकी छवि नहीं बनेगी। राजनीतिक दल बेशक संसद के बाहर रैलियां और सभाएं आयोजित करके अपनी शक्ति का प्रदर्शन कर सकते हैं। हालांकि, विपक्ष से यह अपेक्षा की जाती है कि वह संसद की कार्यवाही में भाग लेकर विभिन्न मुद्दों और सरकारी विधेयकों पर प्रभावी ढंग से अपना पक्ष रखे। लोकतंत्र ने विपक्ष को सरकार को दुविधा में डालने के लिए कई हथियार दिए हैं। इन हथियारों का प्रभावी ढंग से उपयोग करके, किसी विधेयक पर आपत्ति संसद के मंच पर प्रभावी ढंग से उठाई जा सकती है। संसद में चर्चाएँ केवल सरकार के व्यवहार का हिस्सा नहीं हैं। विपक्ष में रहते हुए अटल बिहारी वाजपेयी, लाल कृष्ण आडवाणी, जॉर्ज फर्नांडीस, बी. नाथ पाई, प्रोफेसर मधु दंडवते, पीलू मोदी, मधु लिमये, चंद्रशेखर, सोमनाथ चटर्जी, सुषमा स्वराज जैसे नेताओं ने संसद में चर्चाओं और संसदीय हथियारों के बल पर तत्कालीन शक्तिशाली कांग्रेस पार्टी को कई बार पीछे हटने पर मजबूर किया था। संसद में प्रश्नकाल सरकार को शर्मिंदा करने का एक बड़ा अवसर है। जागरूक विपक्ष इस प्रश्नकाल का उपयोग सरकार को शर्मिंदा करने के लिए कर सकता है। राहुल गांधी को यह बात समझ आ गई होगी कि इस तरह बौद्धिक चर्चाओं में भाग लेकर वे सरकार को शर्मिंदा नहीं कर सकते। इसीलिए उन्होंने संसद में होने वाली चर्चाओं में भाग न लेकर 'समझदारी भरा' रास्ता चुना होगा। उनकी पार्टी में शशि थरूर जैसे बुद्धिमान नेता हैं। ये नेता संसद में चर्चाओं में भाग लेकर कांग्रेस पार्टी का पक्ष प्रभावी ढंग से रख सकते हैं। हालांकि, राहुल गांधी के अड़ियल रवैये के कारण शशि थरूर जैसे नेताओं को महत्वपूर्ण विधेयकों पर चर्चा में भाग लेने का अवसर नहीं मिलता। संसद की कार्यवाही में गंभीरता से भाग न ले पाने वाले राहुल गांधी ने हाल ही में मतदाता सूची संशोधन के मुद्दे पर एक सांकेतिक संसद का आयोजन किया। संसद की कार्यवाही में भाग लेकर मतदाता सूची संशोधन पर आपत्ति उठाने का यह राहुल गांधी के लिए एक अच्छा अवसर था। यहां तक कि ज्ञानी गणराया भी यह देखकर हैरान रह गए होंगे कि राहुल गांधी ने ऐसे अवसर का सदुपयोग क्यों नहीं किया। राहुल गांधी प्रेस कॉन्फ्रेंस और सभाओं में अपना ज्ञान बखान करने में आनंद लेते हैं। जुलाई में, कुछ छात्रों ने NEET परीक्षा के प्रश्न पत्रों के लीक होने के विरोध में प्रदर्शन किया था। मोदी सरकार NEET परीक्षा प्रणाली में सुधार के लिए विभिन्न निर्णय ले रही थी। ऐसे अवसरों पर राहुल गांधी को इस निर्णय प्रक्रिया में भाग लेने का मौका मिल गया। उस समय संसद का मानसून सत्र शुरू हो रहा था। उस सत्र में, कांग्रेस के जानकार सदस्य NEET परीक्षा प्रणाली में किए जाने वाले सुधारों के संबंध में सुझाव दे सकते थे। केंद्र सरकार ने NEET परीक्षा प्रणाली में सुधार के लिए नंदन नीलेकानी की अध्यक्षता में एक समिति का गठन किया है। अगर लोकसभा में मुख्य विपक्षी दल ने इस समिति को सुझाव दिए होते, तो यह एक स्वस्थ लोकतंत्र का अच्छा उदाहरण होता। मोदी सरकार ने NEET परीक्षा प्रणाली में पारदर्शिता लाने के लिए लोक परीक्षा अधिनियम में संशोधन, त्वरित अदालतों की स्थापना और कंप्यूटर आधारित परीक्षा प्रणाली की घोषणा जैसे कई निर्णय लिए हैं। स्वस्थ लोकतंत्र की यह निशानी मानी जाती है कि ऐसे किसी भी निर्णय से पहले सत्ताधारी दल और सभी विपक्षी दल चर्चा में भाग लें। हालांकि, राहुल गांधी ऐसी बौद्धिक और विद्वतापूर्ण चर्चाओं में भाग नहीं लेना चाहते, इसलिए वे अपनी पार्टी के अन्य सदस्यों को भी चर्चाओं में शामिल होने से रोकते हैं। परिणामस्वरूप, सक्षम कांग्रेस नेताओं को दरकिनार किया जा रहा है। सरकार द्वारा NEET परीक्षा में धांधली के मुद्दे पर कई बार चर्चा के लिए आमंत्रित किए जाने के बावजूद, राहुल गांधी ने कभी भी इसे स्वीकार नहीं किया। विपक्ष ने लोकसभा मंच पर कांग्रेस, समाजवादी पार्टी, तृणमूल कांग्रेस, राष्ट्रीय जनता दल और अन्य दलों द्वारा मतदाता सूची संशोधन अभियान को लेकर उठाई गई आपत्तियों और शंकाओं को दूर करने का एक शानदार अवसर प्राप्त किया। एक ओर राहुल गांधी ने दोहरी भूमिका निभाना शुरू कर दिया है, एक ओर वे दिखावटी संसद आयोजित करके लोकतंत्र का बलि का बकरा बनने का नाटक कर रहे हैं, वहीं दूसरी ओर संसद में चल रही वास्तविक बहस से भाग रहे हैं। यह रहस्य अभी तक सुलझ नहीं पाया है कि राहुल गांधी कैसे सोचते हैं कि आम आदमी उनकी दोहरी चाल को नहीं समझ पाएगा।

इच्छाशक्ति के अभाव का दुष्परिणाम

इस दीवाली पर प्रधानमंत्री उस बस्तर में सीआरपीएफ जवानों के बीच थे, जो अभी हाल तक माओवादियों का गढ़ था। आज से 10-15 वर्ष पहले यह सोचना भी कठिन था कि बस्तर जैसा माओवादियों का सबसे मजबूत गढ़ उनके आतंक से मुक्त हो सकता है, पर ऐसा हो गया। यह किसी चमत्कार से कम नहीं। यह संभव हो पाया 2019 में केंद्रीय गृहमंत्री बने अमित शाह की प्रबल इच्छाशक्ति से। उन्होंने आंतरिक सुरक्षा के लिए सबसे बड़ा खतरा बने माओवादी आतंक को एक समयसीमा देकर खत्म करने की ठानी और अंततः इसमें सफल रहे। विकट और पुरानी समस्याओं के समाधान में दृढ़ इच्छाशक्ति कैसे सहायक बनती है, इसका एक उदाहरण जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 की समाप्ति भी है। इसी तरह एक अन्य उदाहरण गोरखपुर और आसपास यानी पूर्वांचल में प्रति वर्ष जुलाई से लेकर अक्टूबर तक एक्यूट इंसेफ्लाइटिस सिंड्रोम (एईएस) और जापानी इंसेफ्लाइटिस (जेई) से बड़ी संख्या में होने वाली मौतों का सिलसिला थमना भी है। यह योगी आदित्यनाथ की दृढ़ इच्छाशक्ति से संभव हो सका। उन्होंने इस समस्या से मुक्ति पाने का अभियान अपने हाथ में तभी ले लिया था, जब वे गोरखपुर के सांसद मात्र थे। उन्होंने इस समस्या को बार-बार संसद में उठाने के साथ केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय को इसके लिए बाध्य किया कि वह पूर्वांचल को इस त्रासदी से बचाने के लिए कुछ विशेष उपाय करे। उनके प्रयासों से गोरखपुर के मेडिकल कालेज को ऐसी सुविधाओं से लैस किया गया, जिनसे एईएस और जेई की पहचान और उपचार में आसानी हो। बच्चों के लिए प्रायः जानलेवा सिद्ध होने वाली इन रोगों से पार पाना आसान न था, क्योंकि उनका प्रकोप पूर्वांचल के सात जिलों में फैला था। इन संचारी रोगों की चपेट में आने वाले अधिकतर मरीजों के लिए गोरखपुर मेडिकल कालेज ही एक बड़ा सहारा था। एक वक्त हर साल सैकड़ों बच्चे इन रोगों के शिकार होकर दम तोड़ देते थे। चूंकि योगी आदित्यनाथ पूर्वांचल को इस विकट संकट से मुक्ति दिलाने में प्राणपण से जुटे, इसलिए उनके प्रयासों से एईएस और जेई का प्रकोप तभी कम होना शुरू हो गया, जब दिल्ली-लखनऊ, कहीं भी भाजपा सत्ता में नहीं थी। 2014 में केंद्र में भाजपा सरकार आने और 2017 में योगी के स्वयं उत्तर प्रदेश की कमान संभालने के बाद एईएस और जेई से लड़ने की रणनीति अधिक प्रभावी हुई। इस रणनीति के तहत यूनिसेफ की मदद से 'दरवाजा खटखटाओ-एईएस और जेई भगाओ' नारे के साथ जागरूकता अभियान चलाया गया। सभी प्रभावित जिलों में बच्चों का शत-प्रतिशत टीकाकरण किया गया। चूंकि इस समस्या का सामना केवल स्वास्थ्य विभाग से संभव नहीं था, इसलिए गंदगी हटाने, पेयजल की गुणवत्ता सुधारने आदि के लिए ग्रामीण विकास, स्वच्छता और पंचायती राज सहित करीब दस विभागों के साथ मिलकर समन्वित प्रयास किए गए। अंततः दशकों बाद पिछले दो-तीन वर्षों से एईएस और जेई से किसी की मौत न होने के शुभ समाचार मिलने शुरू हुए। राजनीतिक इच्छाशक्ति की तरह प्रशासनिक इच्छाशक्ति भी विकट समस्याओं का समाधान आसान करती है। इसका उदाहरण है महाराष्ट्र में मिलावटी और खराब गुणवत्ता वाली खान-पान की सामग्री बनाने-बेचने वालों का सांसत में दिखना। यह संभव हो पाया राज्य के खाद्य सुरक्षा आयुक्त तुकाराम मुंढे की सख्ती से। ऐसे नेता और नौकरशाह और भी हैं, जिन्होंने अपनी इच्छाशक्ति से लोगों को जटिल समस्याओं से मुक्ति दिलाई। यदि राजनीतिक और प्रशासनिक इच्छाशक्ति का संयोग हो जाए तो समस्याओं का समाधान और आसान हो जाता है, लेकिन कई बार नेता और नौकरशाह मिलकर भी कुछ नहीं कर पाते और इसका ही एक उदाहरण है दिल्ली-एनसीआर का बढ़ता वायु प्रदूषण। हालांकि दिल्ली-एनसीआर के वायु प्रदूषण की चर्चा सबसे अधिक होती है, पर सच यह है कि अब इस प्रदूषण ने पूरे उत्तर भारत को अपनी चपेट में ले लिया है। न तो दिल्ली-एनसीआर का प्रदूषण दूर हो पा रहा है और न ही शेष उत्तर भारत का। यह तब है, जब दिल्ली-एनसीआर के प्रदूषण से निपटने के लिए केंद्र सरकार, राज्य सरकार और उनकी तमाम एजेंसियों, समितियों के साथ राष्ट्रीय हरित प्राधिकरण के साथ सुप्रीम कोर्ट भी सक्रिय है। जब इन सबकी सक्रियता के बाद भी दिल्ली-एनसीआर का प्रदूषण दूर होने का नाम नहीं ले रहा तो इसके आसार कम ही हैं कि शेष उत्तर भारत का शासन-प्रशासन उससे पार पा पाएगा। दिल्ली-एनसीआर के प्रदूषण को दूर करने में मिल रही नाकामी 'ज्यादा जोगी, मठ उजाड़' या 'टू मेनी कुक्स स्पायल द ब्राथ' की उक्ति चरितार्थ कर रही है। कुछ समय पहले तक दिल्ली में आम आदमी पार्टी की सरकार होने के नाते यह माना जाता था कि केंद्र और दिल्ली सरकार में सहयोग की कमी के कारण प्रदूषण के खिलाफ ठोस रणनीति नहीं बन पा रही है, लेकिन बीते एक वर्ष में तो ऐसा हो जाना चाहिए था, क्योंकि अब दिल्ली में ट्रिपल इंजन सरकार है। अब यह दलील भी नहीं चलने वाली कि पड़ोसी राज्यों की भिन्न दलों की सरकारें दिल्ली या केंद्र सरकार का सहयोग नहीं कर रही हैं, क्योंकि अब सभी सीमावर्ती राज्यों में भाजपा की सरकारें हैं। साफ है कि इच्छाशक्ति के अभाव का दुष्परिणाम ही है दिल्ली-एनसीआर का प्रदूषण।

धरती के भविष्य की निर्णायक घड़ी

धरती का तापमान लगातार बढ़ रहा है। कहीं भीषण गर्मी जनजीवन को बेहाल कर रही है, तो कहीं बाढ़, सूखा, चक्रवात और जंगलों की आग प्राकृतिक संतुलन को चुनौती दे रहे हैं। समुद्र का जलस्तर बढ़ रहा है और हिमनद तेजी से पिघल रहे हैं। मौसम का बदलता मिजाज अब केवल विज्ञानियों और पर्यावरणविदों की चिंता का विषय नहीं, बल्कि मानव सभ्यता, खाद्य सुरक्षा, अर्थव्यवस्था और आने वाली पीढ़ियों के अस्तित्व से जुड़ा गंभीर सवाल बन चुका है। ऐसे समय में दुनिया की निगाहें तुर्किये के अंताल्या में हो रहे संयुक्त राष्ट्र के 31वें जलवायु परिवर्तन सम्मेलन यानी कॉप-31 (कांफ्रेंस आफ द पार्टीज) पर टिकी हैं। कॉप संयुक्त राष्ट्र जलवायु परिवर्तन रूपरेखा कन्वेंशन के सदस्य देशों का वार्षिक सम्मेलन है, जिसकी शुरुआत 1995 में हुई थी। वर्ष 2015 में पेरिस में आयोजित कॉप-21 में ऐतिहासिक पेरिस समझौता हुआ था। इसके तहत देशों ने वैश्विक तापवृद्धि को औद्योगिक काल से पहले के स्तर की तुलना में दो डिग्री सेल्सियस से काफी नीचे रखने और इसे 1.5 डिग्री सेल्सियस तक सीमित करने के प्रयास करने का संकल्प लिया था। इसके बाद हुए सम्मेलनों में जलवायु वित्त, कार्बन उत्सर्जन, स्वच्छ ऊर्जा, अनुकूलन और नुकसान एवं क्षति जैसे विषयों पर महत्वपूर्ण फैसले लिए गए। हालांकि घोषणाओं और उनके क्रियान्वयन के बीच अब भी बड़ा अंतर है। कॉप-31 इस अंतर को कम करने का अवसर है। औद्योगिक क्रांति के बाद बिजली उत्पादन, परिवहन, उद्योग और भवन निर्माण में कोयला, पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस जैसे जीवाश्म ईंधनों के अत्यधिक उपयोग से वायुमंडल में कार्बन डाइआक्साइड और अन्य ग्रीनहाउस गैसों की मात्रा बढ़ी है। ये गैसें पृथ्वी से निकलने वाली ऊष्मा को वायुमंडल में रोकती हैं, जिससे धरती का औसत तापमान बढ़ता है। इसे ही वैश्विक तापवृद्धि कहते हैं। यदि ग्रीनहाउस गैसों के उत्सर्जन में तेजी से कमी नहीं की गई, तो आने वाले दशकों में जलवायु परिवर्तन के प्रभाव और गंभीर होंगे। दुनिया के सामने चुनौती है कि ऊर्जा की बढ़ती मांग पूरी करते हुए कार्बन उत्सर्जन कैसे कम किया जाए। इसके लिए सौर, पवन, जलविद्युत और भू-तापीय ऊर्जा जैसे स्वच्छ विकल्पों को बढ़ावा देना होगा। सौर ऊर्जा पार्क, रूफटाप सोलर, इलेक्ट्रिक वाहन, ऊर्जा भंडारण तकनीक और हरित हाइड्रोजन भविष्य की ऊर्जा व्यवस्था के महत्वपूर्ण आधार बन सकते हैं। हालांकि स्वच्छ ऊर्जा की ओर बदलाव के लिए केवल तकनीक पर्याप्त नहीं है। इसके लिए निवेश, मजबूत बिजली ग्रिड, बैटरी भंडारण, कुशल मानव संसाधन और सस्ती तकनीक भी जरूरी है। भारत के लिए कॉप-31 का महत्व इसलिए है कि उसे विकास और पर्यावरण संरक्षण के बीच संतुलन बनाना है। एक ओर देश को उद्योग, परिवहन, आवास और ऊर्जा की जरूरतें पूरी करनी हैं, दूसरी ओर कार्बन उत्सर्जन कम करना है। सम्मेलन में भारत के लिए यह अवसर होगा कि वह विकासशील देशों की चिंताओं को मजबूती के साथ सामने रखे और तकनीक हस्तांतरण एवं जलवायु वित्त की उपलब्धता पर वैश्विक सहयोग की मांग करे। जलवायु परिवर्तन से निपटने में विज्ञान की भूमिका निर्णायक है। मौसम पूर्वानुमान, उपग्रह आधारित निगरानी, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, जलवायु माडलिंग और आपदा पूर्व चेतावनी प्रणालियों से जोखिम कम किए जा सकते हैं। उदाहरण के लिए, अत्यधिक वर्षा या चक्रवात की आशंका का पहले पता चलने पर प्रशासन लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाकर जान-माल का नुकसान कम हो सकता है। इसी तरह कार्बन कैप्चर, ग्रीन हाइड्रोजन, उन्नत बैटरी और ऊर्जा दक्षता से जुड़ी तकनीकें उत्सर्जन घटाने में मददगार हो सकती हैं। हालांकि इनका लाभ तभी मिलेगा जब ये सस्ती, सुलभ और पर्यावरण के अनुकूल हों। जलवायु परिवर्तन का असर तेजी से बढ़ते शहरों में भी दिखाई दे रहा है। कंक्रीट के बढ़ते निर्माण, घटते हरित क्षेत्र, वाहनों का धुआं और ऊर्जा की अधिक खपत शहरों का तापमान बढ़ा रहे हैं। इससे निपटने के लिए पौधारोपण, हरित क्षेत्र का विस्तार, तालाबों और जलाशयों का संरक्षण, वर्षा जल संचयन, ऊर्जा दक्ष भवनों और सार्वजनिक परिवहन को बढ़ावा देना जरूरी है। बढ़ती गर्मी के कारण एयर कंडीशनर की मांग बढ़ रही है, लेकिन पारंपरिक शीतलन उपकरण बिजली की खपत के साथ कुछ मामलों में शक्तिशाली ग्रीनहाउस गैसों का उत्सर्जन भी बढ़ाते हैं। इसलिए प्राकृतिक वेंटिलेशन, छतों पर हरियाली, ऊर्जा दक्ष उपकरणों और पर्यावरण अनुकूल शीतलन तकनीकों को बढ़ावा देना होगा। जलवायु परिवर्तन के विरुद्ध लड़ाई में जलवायु अनुकूल शहरों और टिकाऊ भवनों के विकास के साथ प्रकृति आधारित समाधानों को भी प्राथमिकता देनी होगी, क्योंकि वायु प्रदूषण का दायरा निरंतर बढ़ रहा है। जलवायु परिवर्तन से निपटने की जिम्मेदारी केवल सरकारों और अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं की नहीं, आम नागरिकों की भी है। बिजली-पानी की बचत, सार्वजनिक परिवहन का उपयोग, प्लास्टिक का कम इस्तेमाल, कचरे का पृथक्करण और पेड़-पौधों का संरक्षण जैसे कदम बड़ा बदलाव ला सकते हैं। जरूरत से ज्यादा वस्तुओं का उपयोग, खाद्य पदार्थों की बर्बादी और ऊर्जा की अनावश्यक खपत भी पर्यावरण पर दबाव बढ़ाती है। इसलिए जलवायु अनुकूल जीवनशैली को सामाजिक आंदोलन बनाने की जरूरत है।

करीना कपूर को लीगल नोटिसः कुरान की आयत वाले पेंडेंट पर विवाद, अब्बास हफीज ने की तस्वीरें हटाने और माफी की मांग



करीना कपूर खान को लीगल नोटिस, दिवाली पोस्ट में पवित्र आयत वाला पेंडेंट पहनने पर बवाल। भोपाल के अब्बास हफीज ने उठाई माफी मांगने की मांग। करीना कपूर खान दिवाली की तस्वीरों को लेकर विवादों में घिरीं। भोपाल के अब्बास हफीज ने करीना और स्टाइलिस्ट रिया कपूर को भेजा लीगल नोटिस। करीना के पहने ऐतिहासिक पेंडेंट पर जताई गई आपत्ति। पेंडेंट पर भोपाल रियासत की बेगमों की विरासत होने का दावा। बॉलीवुड अभिनेत्री करीना कपूर खान एक सोशल मीडिया पोस्ट को लेकर विवादों में घिर गई हैं। भोपाल के अब्बास हफीज ने करीना कपूर और उनकी स्टाइलिस्ट रिया कपूर को लीगल नोटिस भेजा है। हफीज ने दिवाली के मौके पर करीना की ओर से साझा की गई तस्वीरों में पहने गए एक ऐतिहासिक पेंडेंट पर आपत्ति जताई है। उनका दावा है कि यह पेंडेंट भोपाल रियासत की बेगमों की विरासत से जुड़ा है और इस पर कुरान की पवित्र आयत-उल-कुर्सी उकेरी गई है। उन्होंने इसे फैशन के तौर पर पहनने को धार्मिक भावनाओं के खिलाफ बताया है। दिवाली की तस्वीरों में पहना था भोपाल की बेगमों का ऐतिहासिक पेंडेंट कांग्रेस पार्टी के प्रवक्ता अब्बास हफीज के अनुसार, करीना कपूर ने दिवाली के अवसर पर सोशल मीडिया पर कुछ तस्वीरें साझा की थीं। इनमें उन्होंने भोपाल रियासत की बेगमों की ऐतिहासिक विरासत से जुड़ा एक पेंडेंट पहना हुआ था। हफीज का दावा है कि इस पेंडेंट पर कुरान की आयत-उल-कुर्सी उकेरी गई है। इसी धार्मिक महत्व के कारण उन्होंने अभिनेत्री और उनकी स्टाइलिस्ट रिया कपूर को कानूनी नोटिस भेजा है। आयत-उल-कुर्सी को फैशन के तौर पर पहनने पर आपत्ति हफीज ने कहा कि मुस्लिम समुदाय में कुरान की आयतों को बेहद पवित्र माना जाता है। धार्मिक मान्यता के अनुसार, कई लोग वजू यानी पवित्र अवस्था में ही कुरान की आयतों को छूते हैं। उन्होंने आपत्ति जताई कि धार्मिक आस्था से जुड़े इस पेंडेंट को फैशन के तौर पर ऐसे लिबास के साथ पहना गया, जो उनके अनुसार मर्यादा के अनुरूप नहीं है। उन्होंने स्पष्ट किया कि भोपाल के नवाब की कलगी पहनने पर उन्हें कोई आपत्ति नहीं है, लेकिन पवित्र आयत वाले पेंडेंट का इस तरह इस्तेमाल अनुचित है। तस्वीरें हटाने और सार्वजनिक माफी मांगने की मांग लीगल नोटिस के जरिए अब्बास हफीज ने करीना कपूर से अपने सभी सोशल मीडिया अकाउंट्स से संबंधित तस्वीरें तुरंत हटाने और सार्वजनिक रूप से माफी मांगने की मांग की है। उनका कहना है कि पवित्र धार्मिक प्रतीक का इस तरह इस्तेमाल नहीं किया जाना चाहिए। इस मामले में करीना कपूर और रिया कपूर की ओर से कोई प्रतिक्रिया सामने आने की जानकारी नहीं दी गई है। मांग पूरी नहीं होने पर कानूनी कार्रवाई की चेतावनी अब्बास हफीज के वकील मोहम्मद जफर ने कहा कि इस कृत्य से मुस्लिम समुदाय की धार्मिक भावनाएं आहत हुई हैं।

रामायण में रावण ने क्यों रखा जटायु का नाखून? इस खौफनाक और हैरान करने वाली वजह की ये है सच्चाई



नितेश तिवारी की फिल्म रामायण में रावण और जटायु के महायुद्ध के दौरान रावण द्वारा जटायु का नाखून अपने पास रखने का दृश्य सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय बन गया है। फिल्म में रावण और जटायु के बीच खौफनायक युद्ध दिखाया गया है। इस सीन को रावण के घायल अहंकार और अपमान की याद से जोड़कर देखा जा रहा है। जबकि मूल वाल्मीकि रामायण में नाखून रखने की घटना का उल्लेख नहीं है। फिल्म रामायण से जुड़े कई सीन्स और तस्वीरें लगातार सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे हैं, जिन्होंने लोगों की उत्सुकता को सातवें आसमान पर पहुंचा दिया है। खासकर लंकापति रावण और जटायु के बीच का खूनी संघर्ष इस समय सबसे बड़ा आकर्षण का केंद्र बना हुआ है। फिल्म रामायण के एक खास सीन में रावण को जटायु के साथ लड़ाई के बाद उनके पैर का एक नाखून अपने साथ ले जाते हुए देखा जा सकता है।

अर्शदीप सिंह की जिंदगी में आईं समरीन कौर, सगाई की तस्वीरों में दिखा कपल का खूबसूरत अंदाज



भारतीय क्रिकेटर अर्शदीप सिंह ने मॉडल समरीन कौर से सगाई कर ली है। समरीन ने सोशल मीडिया पर खूबसूरत तस्वीरें शेयर कीं, जिन्हें देखकर फैंस कपल को बधाइयां दे रहे हैं। भारतीय तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह ने मॉडल और एक्ट्रेस समरीन कौर से सगाई कर ली है। सगाई की खूबसूरत तस्वीरें समरीन कौर ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर शेयर की हैं। तस्वीरों में दोनों की शानदार केमिस्ट्री और प्यार देखने को मिल रहा है। भारतीय क्रिकेट टीम के स्टार तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह अपनी निजी जिंदगी को लेकर चर्चा में आ गए हैं। क्रिकेट के मैदान पर अपनी शानदार गेंदबाजी से पहचान बनाने वाले अर्शदीप ने अब जिंदगी की नई पारी शुरू करने की तैयारी कर ली है। उन्होंने मशहूर एक्ट्रेस और मॉडल समरीन कौर के साथ सगाई कर ली है। अर्शदीप सिंह और समरीन कौर की खूबसूरत तस्वीरें सोशल मीडिया पर सामने आई हैं, जिन्हें फैंस काफी पसंद कर रहे हैं। सगाई की खबर सामने आते ही क्रिकेट प्रेमियों और सोशल मीडिया यूजर्स की ओर से कपल को बधाइयां मिलने लगी हैं। अर्शदीप सिंह और समरीन कौर की सगाई की खबर उनकी मंगेतर ने सोशल मीडिया के जरिए साझा की। समरीन ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट पर इस खास मौके की कई तस्वीरें पोस्ट की हैं। अर्शदीप सिंह और समरीन कौर की केमिस्ट्री अर्शदीप सिंह और समरीन कौर इन तस्वीरों में एक साथ बेहद खुश नजर आ रहे हैं। कपल के बीच की केमिस्ट्री और एक-दूसरे के लिए प्यार तस्वीरों में साफ झलक रहा है। समरीन ने तस्वीरों के साथ एक खास कैप्शन भी लिखा है, जो उनके इस नए रिश्ते की खुशी को जाहिर करता है। सोशल मीडिया पर उनकी पोस्ट सामने आते ही लोगों ने कमेंट सेक्शन में बधाइयों की झड़ी लगा दी। फैंस दोनों की जोड़ी को खूब पसंद कर रहे हैं। क्रिकेट के मैदान के बाद जिंदगी में नई पारी अर्शदीप सिंह भारतीय क्रिकेट टीम के प्रमुख तेज गेंदबाजों में गिने जाते हैं। अपनी शानदार स्विंग, सटीक यॉर्कर और दबाव के समय बेहतरीन गेंदबाजी के दम पर उन्होंने क्रिकेट की दुनिया में खास पहचान बनाई है। मैदान पर अपने प्रदर्शन से सुर्खियां बटोरने वाले अर्शदीप अब निजी जिंदगी के इस खास पड़ाव को लेकर चर्चा में हैं। कौन हैं समरीन कौर समरीन कौर एक एक्ट्रेस और मॉडल हैं। वह सोशल मीडिया पर भी काफी सक्रिय रहती हैं। अर्शदीप के साथ उनकी सगाई की तस्वीरें सामने आने के बाद उनकी निजी जिंदगी को लेकर लोगों की दिलचस्पी बढ़ गई है। हालांकि, कपल की शादी की तारीख और इससे जुड़ी अन्य तैयारियों को लेकर फिलहाल कोई जानकारी सामने नहीं आई है। अब फैंस को दोनों की शादी से जुड़ी अगली अपडेट का इंतजार है।

ऋषभ पंत की वापसी की अटकलें तेज, जल्द मिल सकता फिटनेस क्लीयरेंस; NZ दौरे पर जाने से टीम को मिलेगी मजबूती



ऋषभ पंत जल्द ही भारतीय टीम में वापसी कर सकते हैं। 12 नवंबर को भारतीय क्रिकेट टीम न्यूजीलैंड दौरे के लिए रवाना होगी, ऐसे में पंत की वापसी से टीम को मजबूती मिलेगी। स्टार विकेटकीपर टीम इंडिया में ऋषभ पंत की वापसी की अटकलें हुई तेज भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस से पंत को जल्द मिल सकता है फिटनेस क्लीयरेंस पंत को हाल ही में रेस्ट ऑफ इंडिया की ओर से ईरानी कप खेलते समय साइड स्ट्रेन की समस्या से थे पीड़ित भारतीय टेस्ट टीम के लिए राहत भरी खबर सामने आई है। स्टार विकेटकीपर-बल्लेबाज ऋषभ पंत जल्द ही पूरी तरह फिट होकर टीम से जुड़ सकते हैं। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (BCCI) के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (CoE) से उन्हें फिटनेस क्लीयरेंस मिलने की पूरी उम्मीद है।

वानखेड़े में जर्सी फेंकने की घटना, फैंस की हूटिंग, कप्तानी विवाद, क्या हैं हार्दिक के MI छोड़ने की असली वजहें?



IPL 2027 से पहले हार्दिक पांड्या मुंबई इंडियंस से पंजाब किंग्स में ट्रेड हो गए। जानिए रोहित शर्मा की कप्तानी, फैंस की नाराजगी और टीम के प्रदर्शन से जुड़ी पूरी कहानी। मुंबई इंडियंस के साथ हार्दिक पांड्या का सफर खत्म हो गया है। कभी मुंबई इंडियंस को अपना परिवार मानने वाले हार्दिक पांड्या ने अब इस टीम से किनारा कर लिया है। 2024 में हार्दिक ने MI के साथ अपनी दूसरी पारी शुरू की थी, लेकिन आज उन्होंने इस फ्रेंचाइजी को अलविदा कह दिया है। अब सवाल यह उठता है कि मुंबई इंडियंस और हार्दिक पांड्या के बीच आखिर ऐसा क्या हुआ, जिसकी वजह से उन्होंने टीम के साथ आगे न जुड़ने का फैसला लिया? पिछले IPL सीजन (2026) की कुछ घटनाओं पर गौर करने से पता चलता है कि हार्दिक ने यह फैसला क्यों लिया। कप्तानी विवाद और फैंस की नाराजगी रोहित शर्मा, सूर्यकुमार यादव और जसप्रीत बुमराह जैसे दिग्गज खिलाड़ियों के होने के बावजूद, मुंबई इंडियंस ने हार्दिक पांड्या को कप्तान बना दिया। हार्दिक एक बड़ी रकम के साथ फ्रेंचाइजी से जुड़े थे और उन्हें कप्तानी सौंप दी गई। एक ऐसी जिम्मेदारी जिसके बारे में कई लोगों को उम्मीद थी कि वह रोहित शर्मा को मिलेगी। फैंस इस फैसले से बिल्कुल भी खुश नहीं थे। मैचों के दौरान हार्दिक को उनके गुस्से का सामना करना पड़ा, जहां स्टेडियम में मौजूद दर्शकों ने हूटिंग की और उनके खिलाफ नारे लगाए। इस दौरान मैदान पर मौजूद बाकी खिलाड़ी चुप रहे और उन्होंने कोई कदम नहीं उठाया। यहां तक कि रोहित शर्मा ने भी इसमें दखल देना सही नहीं समझा। विराट कोहली को आगे आना पड़ा जब विराट कोहली की RCB वानखेड़े स्टेडियम पहुंची, तो खुद विराट ने फैंस से ऐसा बर्ताव बंद करने की अपील की। असल में, ऐसी पहल विरोधी टीम की तरफ से आने के बजाय मुंबई इंडियंस के खेमे से यानी खुद खिलाड़ियों की तरफ से आनी चाहिए थी। दो गुटों में बंट गई मुंबई इंडियंस टीम के कई खिलाड़ी हार्दिक को कप्तान बनाए जाने से खुश नहीं थे।

कांगो में सेना का खौफनाक फरमान! 66 सैनिकों को एक साथ मौत की सजा, जानिए क्या है पूरा मामला

कांगो में 66 सैनिकों को युद्ध के मैदान से भागने, बगावत और आदेशों की अवहेलना के आरोप में मौत की सजा सुनाई गई। अब तक 381 सैनिकों को मृत्युदंड मिला।

कांगो की सैन्य अदालत ने 71 सैनिकों के मुकदमे में 66 को मौत की सजा सुनाई, चार बरी हुए और एक को 10 साल जेल मिली। सैनिकों पर एम23 विद्रोहियों के साथ मुठभेड़ के दौरान अपनी चौकियां छोड़कर भागने और आदेश नहीं मानने का आरोप था। कांगो में 2025 से अब तक 381 सैनिकों को मौत की सजा सुनाई जा चुकी है, लेकिन आधिकारिक तौर पर किसी को फांसी नहीं दी गई है। अफ्रीकी देश डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ कांगो (DRC) में सेना के 66 जवानों को मौत की सजा सुनाई गई है। इन सैनिकों पर युद्ध के मैदान से भागने, बगावत करने और वरिष्ठ अधिकारियों के आदेशों की अवहेलना करने के आरोप लगे हैं। स्थानीय मीडिया की रिपोर्ट के मुताबिक, उत्तरी कीवू प्रांत के वालिकाले में 71 सैनिकों के खिलाफ सैन्य अदालत में मुकदमा चलाया गया था। इनमें से 66 को मृत्युदंड दिया गया, जबकि चार सैनिक बरी हो गए और एक को 10 साल जेल की सजा सुनाई गई। सेना के अधिकारियों के मुताबिक, इस मुकदमे का उद्देश्य पूर्वी कांगो में



विद्रोही संगठनों के खिलाफ जारी सैन्य अभियानों के दौरान सैनिकों में अनुशासन कायम करना है। रिपोर्ट के अनुसार, इन सैनिकों को 20 अक्टूबर को गिरफ्तार किया गया था। आरोप था कि फ्रंट फॉर द रिफाउंडेशन ऑफ द नेशन (FRN) के लड़ाकों के साथ मुठभेड़ के दौरान उन्होंने अपनी चौकियां छोड़ दी थीं और मोर्चे से भाग गए थे। एम23 विद्रोहियों के खिलाफ जारी है संघर्ष कांगो का पूर्वी इलाका दशकों से हिंसा और सशस्त्र संघर्ष का सामना कर रहा है। यहां सरकारी सेना और FRN नाम के विद्रोही गठबंधन के बीच लगातार लड़ाई जारी है। इस गठबंधन में एम23 जैसे हथियारबंद संगठन भी शामिल हैं। कांगो सरकार पड़ोसी देश रवांडा पर एम23 विद्रोहियों को समर्थन देने का आरोप लगाती रही है। हालांकि, रवांडा और विद्रोही संगठन इन आरोपों से इनकार करते हैं। कांगो की सेना लंबे समय से अनुशासनहीनता, कमजोर प्रबंधन और पेशेवर मानकों की कमी को लेकर आलोचनाओं का सामना कर रही है। सैनिकों ने भी कम वेतन और पर्याप्त सैन्य उपकरण नहीं मिलने की शिकायतें की हैं। पिछले महीने भी 27 सैनिकों को विद्रोहियों के साथ मुठभेड़ के दौरान मोर्चा छोड़कर भागने के आरोप में मौत की सजा सुनाई गई थी। 381 सैनिकों को सुनाई जा चुकी है मौत की सजा कांगो सरकार ने मार्च 2024 में मौत की सजा पर लगी करीब 20 साल पुरानी रोक हटा दी थी। सरकार का कहना था कि सेना और सुरक्षा बलों के भीतर मौजूद गद्दारों तथा विद्रोही गतिविधियों में शामिल लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई जरूरी है। इसके बाद हथियारबंद समूहों से जुड़ने, देशद्रोह, बगावत और युद्ध अपराधों जैसे मामलों में मृत्युदंड का प्रावधान फिर से लागू किया गया। इस फैसले की अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार संगठनों ने आलोचना की थी।

सऊदी अरब में नौकरानी को 100 कोड़े मारने की सजा, शादी के बिना बच्चे को जन्म देने पर कोर्ट का फैसला



सऊदी अरब में बिना शादी बच्चे को जन्म देने पर केन्याई घरेलू सहायिका को 100 कोड़े मारने की सजा सुनाई गई। फैसले से महिलाओं के अधिकारों पर बहस छिड़ी। सऊदी अरब की अदालत ने केन्याई महिला एस्थर वांजा मुथोनी को 100 कोड़े मारने की सजा सुनाई। अगस्त 2025 में मिस्र के नागरिक से रिश्ते के दौरान बच्चे को जन्म दिया था। एक साल के निर्वासन की सजा भी सुनाई गई, बच्चे के पिता पर कार्रवाई नहीं होने से उठे सवाल। सऊदी अरब में शादी के बिना बच्चे को जन्म देने के मामले में एक केन्याई महिला को 100 कोड़े मारने की सजा सुनाई गई है। महिला सऊदी अरब में घरेलू सहायिका (हाउस हेल्प) के तौर पर काम करने गई थी। न्यूयॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक, अदालत ने पिछले महीने उसे विवाह के बाहर यौन संबंध बनाने का दोषी ठहराया। सजा के तौर पर 100 कोड़े मारने के अलावा एक साल के निर्वासन का आदेश भी दिया गया है। इस फैसले के बाद सऊदी अरब में महिलाओं के अधिकारों और न्याय व्यवस्था को लेकर सवाल उठ रहे हैं। क्या है पूरा मामला? सजा पाने वाली महिला की पहचान एस्थर वांजा मुथोनी के रूप में हुई है। वह पूर्वी अफ्रीकी देश केन्या की रहने वाली हैं और सऊदी अरब में घरेलू कामगार के तौर पर नौकरी करने गई थीं। वह महाराह ह्यूमन रिसोर्सेज नाम की कंपनी के जरिए कानूनी रूप से वहां काम कर रही थीं। इसी दौरान उनका मिस्र के एक नागरिक मोहम्मद के साथ संबंध बना। इस रिश्ते के दौरान वह गर्भवती हो गईं। अगस्त 2025 में उन्होंने अपने स्टाफ क्वार्टर में बच्चे को जन्म दिया। एक सुपरवाइजर को इसकी जानकारी मिली तो वह उन्हें अस्पताल ले गया। वहां पुलिस ने गर्भावस्था को लेकर पूछताछ की और उन्हें हिरासत में ले लिया। पुलिस को दिए बयान में मुथोनी ने बताया कि बच्चे का पिता मोहम्मद सऊदी अरब छोड़कर जा चुका है।

होर्मुज में 3 तेल टैंकरों में भीषण धमाके, ईरान की खुली चेतावनी- हमारे रास्ते से गुजरे तो यही अंजाम होगा!

स्ट्रेट ऑफ होर्मुज में तीन तेल टैंकरों में भीषण विस्फोट से तनाव बढ़ा। ईरान ने समुद्री बारूदी सुरंगों का हवाला देकर अमेरिका को कड़ी चेतावनी दी है।

स्ट्रेट ऑफ होर्मुज में तीन तेल टैंकरों में हुए भीषण विस्फोट, जहाजों से उठा काले धुएं का गुबार। ईरान का दावा- प्रतिबंधित समुद्री रास्ते से गुजरने की कोशिश में बारूदी सुरंगों की चपेट में आए टैंकर। IRGC ने अमेरिका को दी चेतावनी, अनधिकृत रास्ते से गुजरने वाले जहाजों को भुगतने होंगे गंभीर परिणाम। अमेरिका और ईरान के बीच जारी तनाव के बीच स्ट्रेट ऑफ होर्मुज में हालात और गंभीर हो गए हैं। यहां तीन तेल टैंकरों में भीषण विस्फोट होने से हड़कंप मच गया। ईरान ने दावा किया है कि ये सभी जहाज प्रतिबंधित समुद्री मार्ग से गुजरने की कोशिश कर रहे थे। इस घटना के बाद ईरान की इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (IRGC) ने अमेरिका को कड़ी चेतावनी दी है। होर्मुज में हुए धमाकों



के वीडियो भी सामने आए हैं। इनमें तेल टैंकरों से काले धुएं का गुबार उठता दिखाई दे रहा है। IRGC की आधिकारिक समाचार एजेंसी 'सिपाह न्यूज' के मुताबिक, दोपहर करीब 2 बजे जारी बयान में बताया गया कि दो टैंकरों ने होर्मुज पार करने के लिए अपने नेविगेशन और पहचान प्रणाली बंद कर दी थी। ईरान के मुताबिक, इनमें से एक टैंकर समुद्री बारूदी सुरंग की चपेट में आकर विस्फोट का शिकार हुआ। दूसरा जहाज अमेरिकी लड़ाकू विमानों के समर्थन से प्रतिबंधित रास्ते से गुजरने की कोशिश कर रहा था। इसी दौरान उसमें धमाका हुआ और आग लग गई। तीसरे टैंकर में भी हुआ विस्फोट ईरानी नौसेना ने रात करीब 8:30 बजे जारी बयान में तीसरे टैंकर के विस्फोट की जानकारी दी। उसके मुताबिक, यह जहाज भी प्रतिबंधित रास्ते से गुजरते समय समुद्री बारूदी सुरंग से टकरा गया था। IRGC ने चेतावनी दी कि होर्मुज के अनधिकृत समुद्री रास्ते बेहद खतरनाक हैं।

पूर्व विदेश मंत्री जेल में बेहोश होकर गिरे, हाथ और पैर में लगी चोट; पाकिस्तान में मचा हड़कंप!



पाकिस्तान के पूर्व विदेश मंत्री शाह महमूद कुरैशी जेल में चक्कर आने से गिर पड़े। घुटने और हाथ में चोट के बाद अस्पताल में भर्ती, बेटी ने सरकार से मांगा न्याय। लाहौर की कोट लखपत जेल में टहलते समय अचानक चक्कर आने से गिरे शाह महमूद कुरैशी। घुटने और हाथ में गंभीर चोट, डॉक्टरों ने 24 घंटे की निगरानी में रखा। बेटी मेहर बानो ने सरकार पर उठाए सवाल, पिता की रिहाई और न्याय की मांग की। पाकिस्तान के पूर्व विदेश मंत्री और पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (PTI) के उपाध्यक्ष शाह महमूद कुरैशी की जेल में अचानक तबीयत बिगड़ गई। चक्कर आने के बाद वह अपनी बैरक में गिर पड़े, जिससे उनके घुटने और हाथ में गंभीर चोटें आई हैं।

कनाडा में 4 भालुओं को मिली मौत की सजा, लेकिन क्यों? वजह जान हो जाएंगे हैरान!

कनाडा में मां-बेटी की मौत के बाद DNA जांच में चार ग्रिजली भालुओं की पहचान हुई। वन्यजीव अधिकारियों ने सार्वजनिक सुरक्षा के लिए चारों को मार डाला। कनाडा में 48 वर्षीय मां और उनकी 20 वर्षीय बेटी की मौत के लिए एक मादा ग्रिजली और उसके तीन बच्चे जिम्मेदार पाए गए। DNA टेस्ट से चारों भालुओं की हमले में संलिप्तता की पुष्टि हुई। अधिकारियों ने इसे दुर्लभ शिकारी हमला बताया। वन्यजीव विभाग ने लोगों की सुरक्षा का हवाला देकर चारों भालुओं को मारने का फैसला लिया। कनाडा में दो महिलाओं की जान लेने वाले चार ग्रिजली भालुओं को वन्यजीव अधिकारियों ने मार डाला है। इनमें एक मादा भालू और उसके एक साल के तीन बच्चे शामिल थे। DNA जांच में पुष्टि हुई कि इसी भालू परिवार ने पश्चिमी कनाडा में एक मां और उसकी



वयस्क बेटी पर जानलेवा हमला किया था। अधिकारियों के मुताबिक, यह सामान्य शिकारी हमलों से अलग एक बेहद दुर्लभ मामला था। न्यूज एजेंसी एसोसिएटेड प्रेस (AP) की रिपोर्ट के अनुसार, ब्रिटिश कोलंबिया कंजर्वेशन ऑफिसर सर्विस ने मंगलवार को इस कार्रवाई की जानकारी दी। मृत महिलाओं की पहचान 48 वर्षीय जेनी बाल्कारस और उनकी 20 वर्षीय बेटी सेला रीड के रूप में हुई है। दोनों के अवशेष वैंकूवर से करीब 1,000 किलोमीटर उत्तर में एक दूरदराज के इलाके में मिले थे। DNA जांच में हुई भालुओं की पहचान वन्यजीव अधिकारियों ने बताया कि DNA परीक्षण से यह स्पष्ट हो गया कि हमले में एक मादा ग्रिजली और उसके तीन बच्चे शामिल थे। इंस्पेक्टर जेफ टायर ने ऑनलाइन ब्रीफिंग में बताया कि जांच में शिकार करने जैसे व्यवहार के संकेत मिले हैं। उन्होंने कहा कि इस तरह का हमला बेहद दुर्लभ होता है। हालांकि, अधिकारियों को अभी यह पता नहीं चल पाया है कि हमला किन परिस्थितियों में शुरू हुआ था। मां और बेटी के अवशेष एक-दूसरे से करीब 150 मीटर की दूरी पर मिले थे। परिवार को तब चिंता हुई जब रीड ने शनिवार रात अपनी बहन को रोजाना की तरह फोन नहीं किया। इसके बाद उनकी तलाश शुरू की गई। खोजी दल को पहले मां के अवशेष मिले। बाद में बेटी के अवशेष ऐसी जगह से बरामद हुए, जहां भालू आमतौर पर अपना भोजन जमा करके रखते हैं।

राम मंदिर चढ़ावा चोरी:

की है। 'एक्स' पर पोस्ट में कांग्रेस सांसद ने कहा, "चढ़ावा चोरी, आस्था से धोखा। अयोध्या के श्रीराम मंदिर में ट्रस्ट के प्रबंधन और निर्माण से लेकर दान व चढ़ावे को गिनने और बैंक में जमा कराने तक, हर स्तर पर भाजपा, आरएसएस और विहिप के सदस्य जिम्मेदारी संभाल रहे थे। अब वे चढ़ावे की चोरी की जिम्मेदारी से नहीं बच सकते।" उन्होंने आरोप लगाया कि निर्माण से जुड़े अधिकारियों और लेखा विभाग ने पहले ही अनियमितताओं की ओर ध्यान दिलाया था। उन्होंने राम मंदिर ट्रस्ट के सदस्यों चंपत राय, अनिल मिश्रा और गोपाल राव की भूमिका पर भी सवाल उठाया। उन्होंने सभी आरोपितों के आरएसएस और बजरंग दल से संबंध होने का भी आरोप लगाया।

मुंबई एयरपोर्ट से नवी मुंबई शिफ्ट

सुझाव दिया है कि मुंबई हवाई अड्डे के टर्मिनल 1 का पुनर्विकास एक व्यवस्थित तरीके से किया जाना चाहिए। उनके प्रस्ताव के अनुसार, पहले टर्मिनल 1B का निर्माण किया जाए, और फिर टर्मिनल 1A से संचालित होने वाली उड़ानों को नए टर्मिनल 1B में स्थानांतरित कर दिया जाए। एक बार जब टर्मिनल 1A पूरी तरह से खाली हो जाए, तो उसे गिराकर फिर से विकसित किया जा सकता है। इस तरीके से, मौजूदा टर्मिनल पर कामकाज पूरी तरह बंद किए बिना ही हवाई अड्डे का विस्तार किया जा सकेगा। साथ ही, इससे यात्रियों को होने वाली असुविधा से बचा जा सकेगा और एयरलाइन ऑपरेटरों पर भी अतिरिक्त बोझ नहीं पड़ेगा। मुंबई इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड इस बीच, मुंबई हवाई अड्डे का संचालन करने वाली कंपनी 'मुंबई इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड' (MIAL) ने पहले टर्मिनल 1 के पुनर्विकास के लिए अंतरराष्ट्रीय उड़ानों के शेड्यूल में बदलाव का प्रस्ताव दिया था। इस प्रस्ताव में मुंबई को 14 अंतरराष्ट्रीय गंतव्यों से जोड़ने वाली उड़ानों आने और जाने, दोनों को नवी मुंबई हवाई अड्डे पर स्थानांतरित करने की योजना शामिल थी। इन शहरों में बहरीन, दम्मम, ढाका, दोहा, फुजैराह, जकार्ता, जेद्दा, काठमांडू, कुवैत सिटी, मदीना, मस्कट, रास अल खैमाह, रियाद और शारजाह शामिल थे। योजना के अनुसार, इन बदलावों को 2027 के समर शेड्यूल (summer schedule) से लागू किया जाना था। हालांकि, कई एयरलाइनों ने इस प्रस्ताव का विरोध किया। यह चिंता भी जताई गई कि अगर हवाई अड्डे बदल दिए जाते हैं, तो कनेक्टिंग फ्लाइट पकड़ने के लिए यात्रियों को दोनों हवाई अड्डों के बीच सफर करना पड़ सकता है। मुख्यमंत्री द्वारा पेश किए गए वैकल्पिक प्रस्ताव पर अब केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्रालय विचार कर रहा है, और यात्री तथा एयरलाइंस दोनों ही अंतिम फैसले का इंतजार कर रहे हैं।

NCP विलय पर सुनेत्रा पवार का

में चुनौतियां बरकरार। महाराष्ट्र में राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (NCP) के दोनों गुटों के मर्जर को लेकर चल रही चर्चाओं के बीच डिप्टी सीएम सुनेत्रा पवार ने पहली बार प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने दोनों गुटों के एक साथ आने की अटकलों पर सीधे तौर पर कोई जवाब नहीं दिया, लेकिन इतना जरूर कहा कि वक्त आने पर सबको चीजें पता चल जाएंगी। उन्होंने मर्जर की संभावना से इनकार भी नहीं किया। सुनेत्रा पवार का यह बयान ऐसे समय आया है, जब दोनों गुटों के बीच बातचीत की खबरें लगातार सामने आ रही हैं। सुनील तटकरे की सुनेत्रा पवार से मुलाकात के बाद मर्जर को लेकर चर्चाएं और तेज हो गई हैं। वहीं, अजित पवार गुट के विधायकों ने आगे की रणनीति पर चर्चा के लिए शरद पवार से मिलने का समय मांगा है। सुनेत्रा पवार ने न स्वीकार किया, न इनकार बारामती में बुधवार को सुनेत्रा पवार ने बिरसा मुंडा जनजातीय गौरव दिवस के बारे में जानकारी देने के लिए प्रेस कॉन्फ्रेंस की थी। इसी दौरान उनसे दोनों राष्ट्रवादी कांग्रेस के गुटों के मर्जर को लेकर सवाल पूछा गया। इस पर उन्होंने कहा, "आज की हमारी पत्रकार परिषद का विषय अलग है। आप सब दूसरे विषय के बारे में उत्सुक हैं, ये मुझे पता है। फिर भी मैं आप सबको बताना चाहती हूं कि जैसे वक्त आएगा, वैसे आपको पता चल जाएगा।" उन्होंने न तो दोनों गुटों के साथ आने का समर्थन किया और न ही इससे इनकार किया। ऐसे में मर्जर को लेकर अभी कोई स्पष्ट संकेत नहीं मिला है। दोनों गुटों को साथ लाने की कोशिशें तेज दोनों गुटों के मर्जर की अटकलों के बीच शरद पवार के मुंबई स्थित आवास सिल्वर ओक पर पिछले कुछ दिनों में कई अहम मुलाकातें हुई हैं। अजित पवार के बेटे पार्थ पवार ने लगातार दो दिनों तक शरद पवार से मुलाकात की। दोनों बैठकें करीब दो घंटे चलीं। NCP (SP) के प्रदेश अध्यक्ष शशिकांत शिंदे ने भी शरद पवार से दो बार मुलाकात की, जबकि रोहित पवार ने उनसे अलग से बातचीत की। शरद पवार गुट के वरिष्ठ नेताओं जयंत पाटिल, अमोल कोल्हे, अनिल देशमुख और जितेंद्र आव्हाड ने भी उनके साथ बैठक की। NCP के कार्यकारी अध्यक्ष प्रफुल्ल पटेल ने भी ब्रीच कैंडी अस्पताल में शरद पवार से मुलाकात की थी। इस दौरान शरद पवार ने 10 नवंबर के बाद साथ बैठकर बात करने का संकेत दिया था। पटेल ने कहा था कि वह शरद पवार की सेहत जानने पहुंचे थे और राजनीतिक चर्चा अलग से हो सकती है। वहीं, सुनील तटकरे ने पहले कहा था कि अजित पवार ने उनके साथ मर्जर का फॉर्मूला तय किया था और 12 फरवरी 2026 को दोनों गुटों का विलय होना था। बाद में उन्होंने कहा कि इस पर फैसला सुनेत्रा पवार और शरद पवार को लेना है। हालांकि, दोनों गुटों के एक होने की राह में नेतृत्व और संगठन पर नियंत्रण जैसे सवाल बड़ी चुनौती बने हुए हैं। सुनेत्रा पवार और पार्थ पवार की ओर से तत्काल मर्जर को लेकर सहमति के स्पष्ट संकेत नहीं मिले हैं। अजित पवार गुट में पार्थ की बढ़ती भूमिका को लेकर भी वरिष्ठ नेताओं में नाराजगी की खबरें हैं। फडणवीस ने भी दोनों नेताओं पर छोड़ा फैसला दूसरी ओर, NCP (SP) के नेता रोहित पवार ने कहा है कि उनकी पार्टी में मर्जर को लेकर कोई चर्चा नहीं हुई है और यह बातचीत अजित पवार गुट और मीडिया में चल रही है। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस भी कह चुके हैं कि दोनों गुटों के साथ आने का फैसला शरद पवार और सुनेत्रा पवार को ही करना है। इस बीच बीजेपी के साथ दोनों गुटों के भविष्य के राजनीतिक समीकरणों को लेकर भी चर्चाएं हैं। ऐसे में मर्जर का फैसला सिर्फ दोनों पार्टियों के एक होने तक सीमित नहीं है, बल्कि नेतृत्व, संगठन और आगे किस राजनीतिक गठबंधन के साथ जाना है, इन सवालों पर सहमति बनना भी जरूरी होगा।

सोनिया गांधी की आत्मकथा पर भावुक

नुकसान सहने के बावजूद उन्होंने भारत छोड़कर अपने वतन वापस जाने का विकल्प नहीं चुना। इसके बजाय उन्होंने इस देश के साथ अपना रिश्ता और मजबूत किया और खुद को सार्वजनिक जीवन और सेवा के लिए समर्पित कर दिया। भारी मुश्किलों के सामने डटे रहने का उनका संकल्प वाकई प्रेरणादायक है। रोहित पवार ने सोनिया गांधी से मुलाकात का जिक्र किया रोहित पवार ने अपने एक्स पोस्ट में सोनिया गांधी से मुलाकात का जिक्र करते हुए कहा, "इस साल, मुझे उनकी करुणा और संवेदनशीलता को करीब से देखने का मौका मिला। जब मैं संसद में उनसे मिला और अजित दादा के दुखद विमान हादसे की निष्पक्ष जांच के लिए उनका समर्थन मांगा, तो उन्होंने सिर्फ हमारी बात सुनी ही नहीं बल्कि हमारे दर्द को ऐसे समझा जैसे हम उनके अपने परिवार का हिस्सा हों। उन्होंने हमारी मांग का पूरा समर्थन किया। उस मुलाकात ने मेरे इस विश्वास को और पक्का कर दिया कि जिसने खुद ऐसी ही व्यक्तिगत त्रासदियां झेली हों, वही दूसरे व्यक्ति के दर्द को इतनी गहरी संवेदना और संवेदनशीलता के साथ समझ सकता है। सोनिया गांधी के संघर्षों और व्यवहार की तारीफ रोहित पवार ने सोनिया गांधी के संघर्षों और व्यवहार की तारीफ करते हुए कहा, "सोनिया का जीवन सफर केवल एक व्यक्ति के संघर्षों की कहानी नहीं है, बल्कि यह भारत की उदार, समावेशी और संवेदनशील संस्कृति का भी प्रतिबिंब है। एक ऐसी संस्कृति जो मानवता को सबसे ऊपर रखती है। अंततः, किसी व्यक्ति की असली पहचान उन रिश्तों से बनती है, जिन्हें वह संजोता है, उन चुनौतियों से बनती है जिनका वह सामना करता है और दूसरों के दुख के समय वह जिस मानवीय संवेदना का परिचय देता है, उससे बनती है। सोनिया गांधी का जीवन सफर मानवीय मूल्यों के इस शाश्वत संदेश को बहुत खूबसूरती से पुष्ट करता है। एनसीपी (एसपी) नेता ने कहा, "'बिलॉन्गिंगः अ जर्नी ऑफ लव' के प्रकाशन पर हार्दिक शुभकामनाएं मुझे पूरा विश्वास है कि यह पुस्तक देश भर के उन लाखों कांग्रेस कार्यकर्ताओं के लिए प्रेरणा का स्रोत बनेगी, जो सोनिया गांधी, गांधी-नेहरू परिवार और भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के प्रति गहरा सम्मान, स्नेह और अटूट निष्ठा रखते हैं।

खेलते-खेलते तालाब तक पहुंच

पहुंचकर राहत व बचाव कार्य शुरू किया।तीन घंटे के सर्च आपरेशन के बाद आखिरकार दोपहर 2:30 बजे जब आयुष को बाहर निकाला गया, तो पूरा इलाका सन्न रह गया। उसे तुरंत आईजीएम अस्पताल ले जाया गया, लेकिन डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।दूसरी ओर अस्पताल में अनिकेत जिंदगी और मौत से जूझ रहा है। उसके परिवार वाले अपने बच्चे की सलामती की दुआ कर रहे है कि उनका बच्चा बच जाए। जबकि मृतक बच्चे के परिवार वालों का रो रोकर बुरा हाल हो रहा है।पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है, लेकिन भादवड़ के लोगों के लिए यह सिर्फ एक हादसा नहीं, एक ऐसा जख्म है जो लंबे समय तक नहीं भरेगा।इस हादसे ने एक बार फिर तालाब की सुरक्षा पर सवाल खड़ा कर दिया है।क्योंकि मनपा प्रशासन की तरफ से तालाब के आसपास न कोई बाड़, न चेतावनी बोर्ड, न कोई निगरानी है। अगर थोड़ी सी सावधानी होती, तो आज एक मां की गोद सूनी नहीं होती।

सोनिया गांधी की पसंदीदा भारतीय डिश का हुआ खुलासां

सोनिया गांधी ने अपनी किताब के रिलीज के एक दिन बाद भोजन से जुड़े अपने अनुभव साझा किए। उन्होंने बताया कि इटली से भारत आने के बाद खाने की आदत बदलना उनके लिए सबसे बड़ी चुनौती थी, लेकिन समय के साथ वे भारतीय व्यंजनों की दीवानी हो गईं और खुद भी पकाना सीख गईं। इन दिनों सोनिया गांधी की किताब 'बिलॉन्गिंगः अ जर्नी ऑफ लव' की चर्चा काफी हो रही है। इस बीच सोनिया गांधी ने एक्स पर अपने निजी जीवन की कुछ बातें शेयर कीं। उन्होंने अपनी किताब के रिलीज के एक दिन बाद भोजन से जुड़े अपने अनुभव साझा किए। उन्होंने बताया कि इटली से भारत आने के बाद खाने की आदत



बदलना उनके लिए सबसे बड़ी चुनौती थी, लेकिन समय के साथ वे भारतीय व्यंजनों की दीवानी हो गईं और खुद भी पकाना सीख गईं। सोनिया गांधी ने कहा कि उन्हें बंगाली और गुजराती (खासकर सूरत की) भोजन बहुत पसंद है। उनके घर की किचन का मुख्य हिस्सा अरहर की दाल है। बेटी प्रियंका गांधी के साथ एक वीडियो में उन्होंने बताया कि मुझे भारतीय खाना पसंद करने में समय लगा। अपने पसंदीदा व्यंजनों की बात करते हुए उन्होंने कबाब, चिकन टिक्का, तंदूरी चिकन, दाल मखनी, कश्मीरी कोफ्ता और हाख का जिक्र किया। प्रियंका ने याद दिलाया कि मां दाल-चावल की बात भूल गईं। इस पर सोनिया ने कहा कि जिस दिन मैं इस घर में आई थी उस दिन से लेकर आज तक हमारे घर में सिर्फ अरहर की दाल ही बनती है। कोई दूसरी दाल नहीं। अपने एक्स पोस्ट में उन्होंने लिखा कि खाना हमेशा मेरी कहानी का खास हिस्सा रहा है। अच्छी भोजन की तलाश में ही मेरी मुलाकात राजीव से हुई और प्यार हो गया। सालों बाद भारत भी मेरे पास उसी तरह आया, एक-एक भोजन के साथ। पहले विविधता ने मुझे हैरान किया और मसालों ने डराया।

पृष्ठ 1/8 का शेष

दिवाली पर भिवंडी में आग का

से फैलते हुए आसपास के पांच घरों तक पहुंच गई। इससे इलाके में अफरा-तफरी मच गई। सूचना मिलते ही महानगरपालिका के अग्निशमन विभाग की टीमें मौके पर पहुंचीं और आग बुझाने में जुट गईं। आग लगने के कारणों का पता नहीं चल सका है। दूसरी घटना जकात नाका स्थित जूना कापआली इलाके में हुई। यहां एसके फुटवियर नामक जूते-चप्पल की दुकान में देर रात आग लग गई। देखते ही देखते आग ने आसपास की छह दुकानों को भी अपनी चपेट में ले लिया। सूचना मिलने पर भिवंडी निजामपुर शहर महानगरपालिका की पांच दमकल गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और आग पर काबू पाने का अभियान शुरू किया। इस हादसे में व्यापारियों को भारी आर्थिक नुकसान होने की आशंका है। तीसरी घटना कामतघर के गणेशनगर इलाके में हुई, जहां लक्ष्मी पूजन के बाद दुकान में जलाए गए दीपक से आग लग गई। बैग की दुकान में लगी आग तेजी से फैल गई और बिक्री के लिए रखा पूरा सामान जलकर राख हो गया। स्थानीय लोगों ने तत्काल आग बुझाने का प्रयास किया और काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। बाद में दमकलकर्मियों ने आग को पूरी तरह बुझाया। चौथी घटना कामतघर के ओसवालवाड़ी इलाके में हुई, जहां पटाखे से निकली चिंगारी के कारण लकड़ी के बैट बनाने वाले कारखाने में भीषण आग लग गई। आग में कारखाने की मशीनरी, लकड़ी और अन्य सामान जलकर नष्ट हो गया। पास में मंडप सजावट के सामान का गोदाम भी था। आग वहां तक पहुंचने से पहले स्थानीय लोगों ने गोदाम का सामान बाहर निकालकर सुरक्षित बचा लिया। आग से पास का एक पेड़ भी जल गया। दमकल विभाग ने करीब एक घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। दिवाली के दौरान आग की इन चार घटनाओं ने शहर में अग्नि सुरक्षा और पटाखों के इस्तेमाल को लेकर चिंता बढ़ा दी है। हालांकि इन हादसों में किसी के हताहत होने की आधिकारिक जानकारी नहीं है। आग से हुए कुल नुकसान का आकलन और घटनाओं के कारणों की पुष्टि होना बाकी है।

पत्रकारों ने मनपा कर्मचारियों को

किया गया। इस अवसर पर वरिष्ठ पत्रकार प्रकाश लिमए (सकाळ), विनोद मिश्रा (नवभारत), अनिल चौहान (दैनिक भास्कर), धीरज परब (लोकमत), शकील शेख (सिटी न्यूज), चतुर्भुज पांडे (दैनिक हिंद सागर) और अजीम तंबोली (उर्दू टाईम्स) सहित अन्य पत्रकार उपस्थित रहे। सानुग्रह अनुदान प्राप्त कर सभी कर्मचारियों के चेहरे खुशी से खिल उठे। उन्होंने इस सहयोग के लिए पत्रकारों के प्रति आभार व्यक्त किया। पत्रकारों की इस पहल ने आपसी सहयोग, सम्मान और सामाजिक जिम्मेदारी की मिसाल पेश की।

भिवंडी में चोरी की 6 घटनाओं

से यार्न और तैयार कपड़ा चोरी हो गया। नुकसान 15.17 लाख रुपये। भिवंडी शहर पुलिस में आशीषकुमार चौहान, शफी मोहम्मद और मकसूद के खिलाफ बीएनएस धारा 306, 3(5) के तहत केस। जांच पीएसआई विनोद शेंडकर कर रहे हैं। तीनबत्ती में 2.75 लाख की बिजली चोरी 14 मई 2025 से 13 मई 2026 के बीच तीनबत्ती, खडक रोड स्थित अहमद अपार्टमेंट में दंपती मोमीन जुनैद मोहम्मद बशीर और रेहाना मोमीन ने मीटर के बिना अवैध कनेक्शन से 9,781 यूनिट बिजली चोरी की। नुकसान 2,75,877 रुपये। शांतिनगर पुलिस में विद्युत अधिनियम धारा 135 के तहत केस। जांच एएसआई संदीप राजे कर रहे हैं।

'कालीघाट स्थित आवास के बाहर पुलिस कर रही रेकी', अभिषेक बनर्जी का सरकार पर बड़ा आरोप



अभिषेक बनर्जी ने कोलकाता पुलिस पर अपने कालीघाट स्थित आवास के आसपास निगरानी करने और रेकी व जासूसी कराने का गंभीर आरोप लगाया है। अभिषेक ने आशंका जताई है कि उन पर एक बार फिर हमले की साजिश रची जा रही है। तृणमूल कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव और सांसद अभिषेक बनर्जी ने कोलकाता पुलिस पर अपने कालीघाट स्थित आवास के आसपास निगरानी करने और रेकी व जासूसी कराने का गंभीर आरोप लगाया है। अभिषेक ने आशंका जताई है कि उन पर एक बार फिर हमले की साजिश रची जा रही है। अभिषेक ने बुधवार को एक्स पर एक वीडियो साझा करते हुए आरोप लगाया कि कोलकाता पुलिस के जवान सरकारी वाहनों का इस्तेमाल कर उनके आवास के आसपास रेकी कर रहे हैं और अवैध रूप से उनकी गतिविधियों पर नजर रख रहे हैं। दावा किया कि पिछले सप्ताह भी इसी तरह की रेकी की गई थी। इसके ठीक एक दिन बाद, सात नवंबर को उनकी जन्मतिथि के अवसर पर आवास के बाहर जश्न के दौरान कुछ लोगों ने हमला किया था। अभिषेक का आरोप है कि इस घटना के चार दिन बीत जाने के बावजूद पुलिस अब तक किसी आरोपित को गिरफ्तार नहीं कर सकी है। इस पूरे विवाद के बीच बुधवार को अभिषेक बनर्जी के आवास के बाहर बने अस्थायी टिन शेड को भी हटा दिया गया।

पत्रकारों ने मनपा कर्मचारियों को दिया सानुग्रह अनुदान, खिले चेहरे

40 पत्रकारों और सज्जी आई.पी. के सामूहिक सहयोग से जुटाई गई राशि, पांच कर्मचारियों को किया गया सम्मानपूर्वक प्रदान







मीरा- भाईंदर
पत्रकारिता के साथ सामाजिक सरोकारों की परंपरा निभाते हुए मीरा- भाईंदर के पत्रकारों ने इस वर्ष भी पत्रकार कक्ष में कार्यरत मनपा कर्मचारियों के प्रति अपनी संवेदनशीलता और सहयोग का परिचय दिया। प्रत्येक वर्ष की तरह इस बार भी करीब 40 पत्रकारों और सज्जी आई.पी. के सामूहिक सहयोग से जुटाई गई सानुग्रह अनुदान राशि कर्मचारियों को प्रदान की गई। यह अनुदान मनपा पत्रकार कक्ष में कार्यरत सिपाही प्रकाश पाटील, तुषार खरत, सफाई कर्मचारी ओमकार और ज्योति तथा समाचार पत्र वितरक विट्ठल यादव को प्रदान ...शेष 7 पर

भिवंडी में तीन सड़क हादसों में 2 घायल, तीन केस दर्ज

डंपर ने कार को मारी टक्कर, तेज रफ्तार बाइक ने वायरमैन को कुचला, वंजारपट्टी ब्रिज पर बाइक सवार ने मारी टक्कर

सिटी न्यूज़ मुंबई/गनी खान
भिवंडी-कल्याण रोड पर तीन अलग-अलग सड़क हादसों में 2 लोग घायल हो गए और एक शिक्षक की कार क्षतिग्रस्त हो गई। तीनों मामलों में लापरवाही और यातायात नियमों की अनदेखी का आरोप है। कोनगांव और निजामपुरा पुलिस ने तीन केस दर्ज किए हैं। पुलिस के अनुसार पहली घटना कल्याण रोड पर स्थित पिंपळघर की है। 7 नवंबर को सुबह 11 बजे मौर्या मिसळ के सामने हाइवा डंपर (एमएच-05-ईएल-9005) ने शिक्षक आशीष इंगळे (34) की स्विफ्ट डिजायर (एमएच-46-बीई-2177) को टक्कर मार दी। कार की डिक्की, दरवाजे, पैनल और हेडलाइट क्षतिग्रस्त हो गई। चालक अनिल पाटील (55) के खिलाफ कोनगांव पुलिस में बीएनएस धारा 281, 324(4) व मोटर वाहन अधिनियम धारा 184 के तहत केस दर्ज है। जांच पीएसआई विक्रम उदमले कर रहे हैं। दूसरी घटना कोनगांव नाका की है। 3 नवंबर को सुबह 9:50 बजे इडली खरीदने जा रहे वायरमैन राजाराम पाटील (55) को तेज रफ्तार बाइक (एमएच-04-एमवी-9263) ने टक्कर मार दी। उनके माथे, छाती में चोट आई और दाहिने पैर की हड्डी टूट गई। चालक मौके से फरार हो गया। कोनगांव पुलिस में बीएनएस धारा 281, 125(अ), 125(ब) व मोटर वाहन अधिनियम धारा 134(अ), 134(ब), 184 के तहत केस दर्ज है।तीसरी घटना वंजारपट्टी ब्रिज की है। 8 नवंबर को रात 10:25 बजे मालुमा स्कूल के पास अज्ञात बाइक सवार ने हेल्पर गणेश धनगर (25) की बाइक को टक्कर मार दी। गणेश घायल हो गए, आरोपी फरार हो गया। निजामपुरा पुलिस में बीएनएस धारा 281, 125(अ), 125(ब) व मोटर वाहन अधिनियम धारा 134, 187 के तहत केस दर्ज है। जांच एपीआई समद वेग कर रहे हैं।

खेलते-खेलते तालाब तक पहुंच गए दो दोस्त, एक लौटा,दूसरा डूबा,पूरे इलाके में मातम

भादवड़ तालाब में डूबने से 12 साल के आयुष की मौत, दोस्त अनिकेत जिंदगी से जूझ रहा

सिटी न्यूज़ मुंबई/गनी खान
भिवंडी के भादवड़ तालाब में बुधवार को दो बच्चों के डूबने से दर्दनाक हादसा हो गया। इस घटना में 12 वर्षीय आयुष मौर्य की मौत हो गई, जबकि दूसरा बच्चा अनिकेत गंभीर रूप से घायल है। हादसे की सूचना मिलते ही बचाव दल मौके पर पहुंचा और तलाशी अभियान शुरू किया। करीब साढ़े तीन घंटे की मशक्कत के बाद दोपहर 2:30 बजे आयुष को तालाब से बाहर निकाला गया। उसे तत्काल आईजीएम अस्पताल पहुंचाया गया, जहां डॉक्टरों ने जांच के बाद मृत घोषित कर दिया।



प्राप्त जानकारी के अनुसार पुलिस के अनुसार भिवंडी के भादवड़ इलाके के योगी धाम में रहने वाला 12 वर्षीय आयुष मौर्य बुधवार की दोपहर अपने साथी अनिकेत(12) सहित तीन बच्चों के साथ खेल रहा था।खेलते हुए तीनों बच्चे भादवड़ तालाब के पास पहुंच गए। गर्मी और मस्ती में दोनों दोस्त नहाने के लिए तालाब में उतर गए। शुरू में पानी कम लगा, लेकिन अचानक पैर फिसला और दोनों गहरे पानी में चले गए। हाथ-पैर मारते दोनों बच्चे मदद के लिए चिल्लाने लगे।तीसरे बच्चे की चीख सुनकर आसपास के लोग दौड़ पड़े और एक व्यक्ति ने अदम्य साहस का परिचय देते हुए तालाब में छलांग लगाकर अनिकेत को बचा लिया।लेकिन तब तक आयुष पानी में समा चुका था।स्थानीय लोगों ने घटना की सूचना शांतिनगर पुलिस को दी।पुलिस बचाव दल के साथ घटनास्थल पर ...शेष 7 पर

भिवंडी में चोरी की 6 घटनाओं में 25 लाख से ज्यादा का माल पार,8 लोगों पर केस

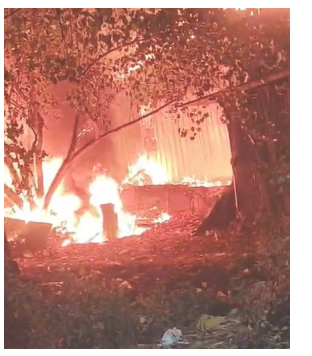
घरफोड़ी, बैग से रुपये, टेक्सटाइल कंपनी से माल और बिजली चोरी; सभी आरोपी फरार

सिटी न्यूज़ मुंबई/गनी खान
भिवंडी में चोरी की 6 अलग-अलग घटनाओं में 25 लाख रुपये से ज्यादा का माल पार हो गया। घरफोड़ी, बैग से रुपये, टेक्सटाइल कंपनी से यार्न-कपड़ा और बिजली चोरी तक के मामले सामने आए हैं।शांतिनगर, निजामपुरा और भिवंडी शहर पुलिस ने 8 अलग-अलग केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। सभी आरोपी फिलहाल फरार हैं। सलामतपुरा में दिनदहाड़े घरफोड़ी, 1.70 लाख के गहने चोरी पुलीसि के अनुसार 7 नवंबर को सुबह 9:30 से शाम 6:30 बजे के बीच चोर ने नायगांव रोड, सलामतपुरा में इमरान मोमीन के घर के बाथरूम का दरवाजा तोड़कर अलमारी से सोने-चांदी के गहने और पर्स चुरा लिए। नुकसान 1.70 लाख रुपये। शांतिनगर पुलिस में बीएनएस धारा 331(3), 305(अ) के तहत केस। जांच एएसआई संतोष पाटील कर रहे हैं। संजय नगर में 4.68 लाख की बड़ी चोरी 9 नवंबर की रात 1 से सुबह 6 बजे के बीच संजय नगर में मैनुद्दीन अंसारी के घर के खुले दरवाजे से घुसकर चोर नकदी, गहने और मोबाइल लेकर फरार हो गया। नुकसान 4.68 लाख रुपये। शांतिनगर पुलिस में बीएनएस धारा 305(अ) के तहत केस। जांच हवलदार निलेश महाले कर रहे हैं।4 नवंबर को सुबह 8:30 से शाम 5:30 बजे के बीच न्यू आजादनगर में 32 वर्षीय महिला के घर के खुले दरवाजे से चोर ने चांदी के पायल, सोने के मणि, अंगूठी, लॉकेट और कड़ा चुरा लिया। नुकसान 17 हजार रुपये। शांतिनगर पुलिस में बीएनएस धारा 305(अ) के तहत केस।इसी तरह 8 नवंबर को सुबह 5 बजे मेट्रो होटल के पास आफताब अंसारी के बैग से 7 हजार रुपये चुराने पर विरोध करने पर दो आरोपियों एजाज अंसारी और अजीज शेख उर्फ अज्जू ने आफताब और उसके भाई अरमान से मारपीट की। निजामपुरा पुलिस में बीएनएस धारा 115(2), 118(1), 305(अ), 3(5) के तहत केस। जांच हवलदार कांबले कर रहे हैं। गौतम कंपाउंड की टेक्सटाइल कंपनी से 15.17 लाख का माल चोरी इसी तरह 1 अगस्त से 31 अक्टूबर के बीच मालिक रतनलाल शर्मा के राजस्थान जाने पर गौतम कंपाउंड स्थित राधेकृष्णा टेक्सटाइल कंपनी ...शेष 7 पर

दिवाली पर भिवंडी में आग का तांडव, चार घटनाओं में दुकानें और कारखाना खाक

गौरीपाड़ा में गोदाम की आग पांच घरों तक पहुंची, जकात नाका में छह दुकानें जलकर राख; दीपक और पटाखों की चिंगारी से भी हादसे

सिटी न्यूज़ मुंबई/गनी खान
भिवंडीः दिवाली के जश्न के बीच भिवंडी में आग की चार अलग-अलग घटनाओं ने भारी नुकसान पहुंचाया। सोमवार देर रात से मंगलवार तड़के तक शहर के विभिन्न इलाकों में आग लगने से कई दुकानें, एक कारखाना और गोदामों में रखा सामान जलकर नष्ट हो गया। गौरीपाड़ा में गोदाम की आग पांच घरों तक पहुंच गई, जबकि जकात नाका में जूते-चप्पल की दुकान से भड़की आग ने आसपास की छह दुकानों को



अपनी चपेट में ले लिया। दीपक और पटाखों की चिंगारी से भी आगजनी की घटनाएं हुईं। राहत की बात यह है कि किसी के हताहत होने की आधिकारिक सूचना नहीं है। पहली घटना गौरीपाड़ा इलाके में हुई, जहां सोमवार देर रात एक गोदाम में अचानक भीषण आग लग गई। आग तेजी...शेष 7 पर

यह दैनिक मालक-मुद्रक-प्रकाशक, संपादक मोहम्मद शकील अब्दुल रफीक ने सिटी इन्टरप्राजेस धरती कॉम्पलेक्स शॉप नं. 11, एवरशाईन नगर, मिरा रोड (पूर्व), जिल्हा - ठाणे से प्रकाशित किया, मुख्य कार्या लय- धरती कॉम्पलेक्स शॉप नं. 11, एवरशाईन नगर, मिरा रोड (पूर्व), जिल्हा - ठाणे महाराष्ट्र।मुंबई कार्या लय- शॉप नं. 14 उपाध्याय इंडस्ट्रियल इस्टेट, दहिसर चेक नाका, मुंबई इस समाचार पत्र में प्रकाशित सभी समाचारों से संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है किसी भी विवाद का निपटारा मा. ठाणे न्यायालय के अधीन होगा संपादक मो. शकील अ. रफीक : मो. 9869128483
Email : shakeelsahara@gmail.com / citynewsmumbai@gmail.com website : www.citynewsmumbai.in RNI No. : MAHHIN/2012/47486